वर्ष – 1, अंक – 1

जनवरी–2013

बृहस्पतिधाम

त्रैमासिक पत्रिका

राशिफल 2013

वेदों में देवगुरु बृहस्पति – एक विलक्षण देव

द्वादश राशियों में बृहस्पति का फलादेश

व्यवसाय एवं धन प्रदाता बृहस्पति

श्री देवगुरु बृहस्पति

राजयोग नियामक, विद्या के देव, विवाह–संतान फलदायक
व्यापार–धन प्रदाता, सम्मान–समृद्धि दाता, सुख–शांति दायक

महंत बृहस्पतिधाम

सबसे बड़ा कौन...

नि:शुल्क वितरण

परम् पूज्य गुरुदेव श्री नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

महन्त बृहस्पतिधाम, जयपुर

बृहस्पतिधाम
त्रैमासिक पत्रिका

वर्ष - 1 अंक - 1

मुख्य संरक्षक
डॉ. महेश जोशी
सांसद, जयपुर

संरक्षक मण्डल
श्री सुबोध भण्डारी
श्री विनोद कुमार वर्मा
श्री दिनेश मित्तल
श्री बिमलेश अग्रवाल

प्रधान सम्पादक
राजेश सोनी

सह-सम्पादक
पं. राजेश शर्मा
पं. पीयूष शर्मा

सम्पादक मण्डल
डॉ. महावीर तूली
सेवानिवृत, भारतीय विदेश सेवा (आई.एफ.एस.)
श्रीनन्दन मिश्र
यजुस्सामाथर्ववेदाचार्य
अखिलेश शर्मा
ज्योतिषाचार्य
अजय अग्रवाल
धार्मिक चिन्तक एवं लेखक

व्यवस्था सहयोगी
पं. बाबूलाल शर्मा

कार्यालय :
बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.)
दूरभाष : 08952935666, 09782920620
E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
Website : www.brihaspatidham.com

प्रधान सम्पादक की कलम से

प्रिय पाठकों,

सर्वप्रथम नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ ही 'बृहस्पतिधाम त्रैमासिक पत्रिका' का प्रथमांक प्रफुल्लित मन से आपको सौंप रहा हूँ।

देवगुरु बृहस्पति की परम कृपा एवं परम पूज्य गुरुजी श्री नरेन्द्र जी की प्रेरणा से आज इस अंक को लोकार्पित कर स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूँ।

इस पत्रिका के माध्यम से धर्म पथ पर चलते हुए मानव सेवा करने का जो निर्णय लिया है, उसमें आप सभी का सहयोग एवं अमूल्य सुझाव सदैव हमारा मार्ग प्रशस्त करेंगे।इसका मुझे पूर्ण विश्वास है।

इस पत्रिका के प्रकाशन में 'बृहस्पतिधाम त्रैमासिक पत्रिका' से जुड़ी सम्पूर्ण टीम ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जिसके लिए मैं पूरी क्रियेटिव टीम को हृदय से धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

पत्रिका प्रकाशन हेतु कई विद्वान लेखकों ने अपने लेख प्रस्तुत किए मैं उनका भी आभार प्रकट करता हूँ, एवं अनेक महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने अपना विशेष योगदान दिया वे सभी धन्यवाद के पात्र है।

राजेश सोनी

सुख-शांति दायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : पं. राम स्वरूप शर्मा, मुख्य पुजारी बृजेश्वरी देवी मन्दिर, हिमाचल प्रदेश, नगरकोट, कांगड़ा

अनुक्रमणिका

1.	बृहस्पतिधाम भव्य कलात्मक नव निर्माण	5
2.	दिव्य स्वप्न	6
3.	परिचय	7
4.	आशिर्वचन	8
5.	सबसे बड़ा कौन	9
6.	एक विलक्षण देव	10
7.	बृहस्पति विशेष वस्तुएँ	11-16
8.	बृहस्पति ग्रह और व्यवसाय	17
9.	व्यापार हेतु वास्तु विचार	18
10.	शुभाशुभ प्रभाव	19-20
11.	बृहस्पति फलादेश	21
12.	सत्य शपथ करुणानिधान	22
13.	कालसर्प योग	23
14.	कार्यक्रम झलकियाँ	24-30
15.	राशिफल-2013	31-37
16.	भक्तों के अनुभव	38
17.	प्रमुख व्रत, पर्व, दिवस तालिका	39
18.	नामावली	40
19.	दक्षिणा तालिका एवं आरती	41
20.	विज्ञापन	42-51

बृहस्पतिधाम एडवायज़री बोर्ड

विनोद कुमार वर्मा

दिनेश मित्तल

भुवनेश्वर पारीक

मालीराम पारीक

जितेन्द्र सिंह जादौन

पुरुषोत्तम गनवानी

बृहस्पतिधाम सेवा समिति

अजित सिंह भदोरिया
अध्यक्ष

बृहस्पतिधाम सेवा समिति हेतु सुशिक्षित, सुसंस्कारित, कर्मठ सेवाभावी, सज्जन सादर आमंत्रित हैं ।

कृपया बृहस्पतिधाम कार्यालय में सम्पर्क करें।

सम्मान-समृद्धि दाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : पिंकु भण्डारी, माता ज्वाला देवी मन्दिर, ज्वालापुर, हिमाचल प्रदेश

बृहस्पतिधाम जयपुर का भव्य कलात्मक नवनिर्माण

प्रिय भक्तजनों,

जयपुर स्थित बृहस्पतिधाम विश्व का एकमात्र धाम है। जहाँ श्री देवगुरु बृहस्पति की आद्यवेदानुरूप सवा पाँच फीट ऊँची स्वर्णिम प्रतिमा स्थापित है। देवगुरु बृहस्पति की अति मनमोहक छवि के दर्शन से अलौकिक सुख की प्राप्ति होती है। जिसका वर्णन शब्दों में संभव नहीं है। वर्तमान में स्थित बृहस्पतिधाम का पुनः पूर्ण 'मार्बल कार्विंग स्टोन' द्वारा भव्य एवं कलात्मक नवनिर्माण कराने का निश्चय किया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपका सहयोग अपेक्षित है। भव्य निर्माण हेतु हस्त मुक्त होकर परम पावन देव कार्य में अपना योगदान दें।

शास्त्रों में दान को अति महत्वपूर्ण बताया गया है और यदि दान मंदिर निर्माण हेतु दिया गया हो तो वह तो अतुलनीय है। यह स्वर्णिम अवसर आपके जीवन में आया है। यह आपके लिए परम सौभाग्य की बात है। बृहस्पतिधाम के नव निर्माण हेतु तन-मन-धन से अधिक से अधिक योगदान देकर पुण्य लाभ कमाएँ और जीवन को धन्य करें।

आप दान दी गई धनराशि नकद, चैक या ड्राफ्ट द्वारा बृहस्पतिधाम कार्यालय में जमा करा सकते हैं अथवा सीधे बृहस्पतिधाम के निम्न बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।

UPPER FLOOR

S.No.	Detail	CFT	SFT
1.	Bhiit & Kanpit	120.00	-
2.	Mandovar	1050.00	-
3.	Chaap & Keval & Lodiya	310.00	-
4.	Piller Satt	1020.00	-
5.	Paat & Sayya	610.00	-
6.	Celling & Khuniya	570.00	-
7.	Shikhar & Peti	1500.00	-
8.	Rang - Mandap Dadri	1750.00	-
9.	Rang - Mandap Samran	1300.00	-
10.	Sringar Choki Samram N-3	480.00	-
11.	Darwaja N-9	385.00	-
12.	4" Board (Dasa, Khumbha, Sara, Chaap)	-	800.00
13.	2" Board (Chajja, Chaap, Bhitt, Kadau)	-	700.00
14.	Paatiya	-	2850.00
15.	Flouring Galicha	-	1300.00
	Total	**9095.00**	**5650.00**

बैंक खाते का पूर्ण विवरण

Account Holder	:	brihaspati dham
A/C No.	:	032205001790
Bank	:	ICICI
Branch	:	safdarjang delhi
IFSC Code	:	ICIC0000322

अधिक जानकारी के लिए बृहस्पतिधाम कार्यालय में सम्पर्क करें।

BASEMENT

S.No.	Detail	CFT	SFT
1.	Piller Satt	510.00	-
2.	Paat & Sayya	395.00	-
3.	Celling	585.00	-
4.	Darwaja N-5	16.00	-
5.	Paatiya	-	1350.00
6.	Flouring Galicha	-	800.00
	Total	**1650.00**	**2150.00**

व्यापार-धन प्रदाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : देवीगिरि, महंत माता बगला मुखी मन्दिर, हिमाचल प्रदेश

दिव्य स्वप्न

महंत नरेन्द्र जी 'गुरुजी'
बृहस्पतिधाम, जयपुर

श्री देवगुरु बृहस्पतिजी की आराधना करने वाले परम् भक्त गुरुवर पं. नरेन्द्र शर्मा को श्री देवगुरु बृहस्पतिजी ने स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि बृहस्पति जी के मन्दिर का निर्माण करें। गुरुवर पं. नरेन्द्र शर्मा ने इस स्वप्न पर विचार किया कि इस असंभव कार्य को कैसे पूर्ण किया जाए, कुछ दिनों बाद श्री देवगुरु बृहस्पति जी ने पुन: स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि मेरे आशीर्वाद से यह असंभव कार्य शीघ्र पूर्ण होगा। देवगुरु के आदेशानुसार गुरुवर पं नरेन्द्र शर्मा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मीना शर्मा ने तन-मन-धन से मंदिर निर्माण का संकल्प लिया। मन्दिर निर्माण में गुरुवर के सामने कई विघ्न आए जो देवगुरु की कृपा से स्वत: ही दूर होते गए और गुरुवर का स्वप्न मात्र 45 दिवस में मन्दिर निर्माण व प्राण-प्रतिष्ठा द्वारा पूर्ण हुआ। श्री देवगुरु बृहस्पतिजी की आद्य वेदानुरूप सवा पाँच फीट ऊँची अद्‌भुत स्वर्णिम प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा आषाढ़ शुक्ल गुरु पूर्णिमा वि. सं. 2066 तदनुसार मंगलवार 7 जुलाई, 2009 को भव्य आयोजन में सम्पन्न हुई। पं. नरेन्द्र शर्मा द्वारा निर्मित यह विश्व का प्रथम श्री देवगुरु बृहस्पति मंदिर है, जिसका निर्माण जयपुर में हुआ है। भगवान के दिव्य दर्शन करके हजारों दर्शनार्थी धन्य हो रहे हैं।

बृहस्पतिधाम पहुँचने का मार्ग — TEMPLE LOCATION MAP

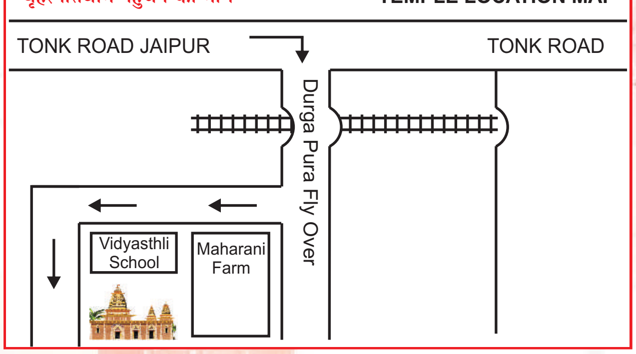

Divya-Swapna

Mahant Narendra Ji 'Guruji'
Brihaspati Dham, Jaipur

Guruvar Pt. Narendra Sharma who is the devote of Shri Devguru Brihaspati Ji & does reverence has dreamed that he has to construct temple of Brihaspati Ji.

Pt. Narendra Sharma had given thought on this dream how to complete this tough task.

After few days again Shri Devguru Brihaspati Ji came in the dream of Pt. Narendra Sharma gave him a boon that you can complete this impossible task.

Then Pt. Narendra Sharma and his wife Smt. Meena Sharma had taken a decision from his heart & soul to construct this temple. He faced many difficulties but all difficulties were disappeared by the boon of Shri Devguru Brihaspati Ji & the dream was completed within 45 days with the establishment and Pran-Pratistha of the temple.

Gold Plated Idol of Shri Devguru Brihaspati Ji was established in the (Aashad Shukla Guru Poornima Samvt 2066) on Tuesday, July, 7th 2009 along with exclusive assembly of people.

This is the first temple in all over the world which is constructed in Jaipur by Pt. Narendra Sharma.

Lots of pilgrimage are getting blessing from the Devguru.

विद्या के देव   श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : सुशील कालिया, माता चिन्तपूर्णि मन्दिर, हिमाचल प्रदेश

परिचय

जयपुर में निर्मित बृहस्पति धाम विश्व का एकमात्र भव्य धाम है, जो कि लुप्त हो चुकी द्रव्यवती नदी के किनारे स्थित है। कुछ विद्वानों का मत है कि देवगुरु बृहस्पति ने देवासुर संग्राम में देवताओं की विजय के लिए द्रव्यवती नदी के किनारे तपस्या की थी। यहाँ श्री देवगुरु बृहस्पति की आद्य वेदानुरूप स्वर्णिम प्रतिमा स्थापित है। उनके रूप का वर्णन वेदों एवं पुराणों में अंकित है जिसके अनुसार श्री देवगुरु बृहस्पति के लम्बे केश तथा लम्बी दाढ़ी है। उनकी दोनों भुजाओं में रुद्राक्ष की माला है, उनके हाथ में चारों वेद हैं तथा यही चारों वेद चार ऋषि के रूप में इस प्रतिमा पर उत्कीर्ण हैं तथा दूसरा हाथ रुद्राक्ष की माला लिये हुए आशीर्वाद देने की मुद्रा में है। पुराणों व वेदों के अनुसार श्री देवगुरु बृहस्पति समस्त देवी-देवताओं के परामर्शदाता गुरु हैं। इन्हें उत्तर-पूर्व कोण दिशा का स्वामी माना गया है। गुरु बृहस्पति पीतवर्ण हैं। इनको ऋग्वेद का स्वामी भी माना जाता है। देवगुरु धन प्रदाता है। पीतवर्ण होने के कारण बृहस्पति ग्रह अनिष्ट निवारण हेतु पीतदान का महत्व है। पीतदान की सामग्री में पीला वस्त्र, स्वर्ण, पीला फूल, हल्दी की गांठ, गऊघृत, पुखराज, पीला फल एवं अश्व दान का महत्व है। इनके बारे में शास्त्रों में विख्यात है कि श्री देवगुरु बृहस्पति सत्य के प्रतीक हैं। वायु पुराण में बृहस्पति को महर्षि अंगीरा के पुत्र होने के कारण इन्हे अंगीरा गोत्र संतान कहते हैं। श्री देवगुरु बृहस्पति का स्वभाव मोन एवं शांत है, इनमें अग्नि और जल तत्व दोनों मौजूद हैं। श्री देवगुरु बृहस्पति के अन्य नाम वाचस्पति, सूरी, देव, पुरोहित, गुरु महाराज, सुराचार्य, देवेज्य, ईज्य और अंगीरा हैं। श्री देवगुरु बृहस्पति का वाहन हाथी है जो समृद्धि का प्रतीक है। बृहस्पति ग्रह को मनुष्य की जन्म कुण्डली में विशेष महत्व रखने वाला ग्रह माना जाता है। विद्या, विवाह, संतान, राजयोग, राजनीति, व्यापार, सुख-शान्ति, विदेश यात्रा सहित सभी क्षेत्रों में बृहस्पति की स्थिति विशेष महत्व रखती है। देश की अर्थव्यवस्था, देश की सीमाओं, न्यायालय तथा राजनैतिक सभाएँ, सभागार, संसद, विधानसभा व धर्म संसद एवं दीक्षान्त समारोह की सफलता, उन्नति, अवनति बृहस्पति पर ही निर्भर है। नवग्रहों के बीच श्री देवगुरु बृहस्पति को ज्ञान एवं विद्वता का प्रतिनिधित्व प्राप्त है। बृहस्पति नवग्रहों में से एक ग्रह एवं देवताओं के गुरु की संज्ञा प्राप्त है। देवगुरु होने के कारण विद्वता, तेज, प्रतिभा एवं ज्ञान तथा सम्मान और व्यक्तित्व के लिए इन्हें परम् प्रसिद्धि प्राप्त है। ज्ञान क्षेत्र में इनकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है।

Introduction

The Grand Temple of Brihaspati ji at Jaipur is a unique and first of its kind in all over the world where Gold plated idol of Shri Dev Guru Brihaspati is being installed as described in ancient vedas. According to description given in vedas and Puranas, Shri Dev Guru Brihaspati has long hair and long beard. He holds all the four vedas in hand and these very vedas are inscribed in the form of four saints surrounding the idol. His both arms have string of rudraksh and second hand has garland of rudraksh with posture of giving blessings.

According to vedas and puranas Shri Dev Guru Brihaspati is considered as Advisory Guru of all God and Goddess. He is considered as swami(master) of North East direction. Guru Brihaspati is yellow coloured and also known as swami of Rig-veda. Being yellow in colour, there is imporance of donating yellow fruits & flower's, turmeric and pukhraj etc. to get rid of ill effects.

One thing is famous in scriptures that Guru Brihaspati is symbol of truth. As Described in vayupuran, Guru Brihaspati is son of maharishi angira and thus belongs to angira gotra.

Guru Brihaspati is calm and quiet by nature and has element of both fire and water. Shri Dev Guru Brihaspati is also known by the name of vachaspati, suri, dev purohit, guru maharaj, suracharya, devejya, Ijya and angira. Guru Brihaspati rides an elephant which is a symbol of prosperity.

Jupiter (brihaspati) planet (graha) has special importance in the horoscope. Education, marriage, politics, rajyoga, business, peace and harmony, foreign travel and in all these fields jupiter has special importance.

Financial System of the country, Success, Progress and Digress at Boundaries of the country, Success, Progress and Digress of Judicially and Political Gatherings, Seminar Halls, Parliament, Assembly, Parliament of Religion, Convocation, Functions depend on the Brihaspati.

Among the navgraha (nine planets), jupiter represents knowledge and intellect. Jupiter is one graha among navgraha and named as guru of God and goddess. Being dev guru, he is mostly famous for knowledge, sharpness, Intellect, talent, honour and personality.

In the field of knowledge, he cannot be compared with anyone.

विवाह संतान फलदायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : पं. मोहन लाल शर्मा, जयपुर, 9828015557

आशिर्वचन

मुझे यह जानकर अति हर्ष का अनुभव हो रहा है कि आपके अथक प्रयास से इस पत्रिका का प्रकाशन हुआ है। इसके लिए आप साधुवाद के पात्र हैं।

सांसारिक जीवन में मानव का सबसे प्रथम कर्तव्य कर्मशील होना है। कर्मशील व्यक्ति ही जीवन में असंभव को संभव कर पाते हैं। पूर्व जन्म में हमने जो सद्कर्म किये उनके फलस्वरुप हमें मानव योनि प्राप्त हुई है और इस मानव जीवन में जो भी कर्म करते हैं या कर रहे हैं, उनका फल हमें कब मिलेगा या क्या मिलेगा? यह एक सारगर्भित प्रश्न है। किन्तु सद्कर्म भगवान तक पहुँचने का मार्ग प्रशस्त करते हैं और इसके विपरीत बुरे कर्म मनुष्य के विनाश का कारण बनते हैं। अत: इस मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए मनुष्य को सदैव सद्कर्म एवं पुरुषार्थ करते रहना चाहिए।

हमारे वेदों और शास्त्रों के अनुसार धर्म का प्रचार-प्रसार ही हमारी संस्कृति की जड़ है। सदा से हिन्दू धर्मावलम्बियों की धर्म के प्रति गहरी आस्था रही है। द्वापर युग हो या त्रेता युग सदा ही हमारे देश में मठों एवं मन्दिरों का निर्माण होता चला आ रहा है जिससे हमारी आस्था एवं भगवत भक्ति को बल मिलता रहा है।

धर्म से समस्त व्याधियों का नाश होता है, धर्म से शत्रु का नाश होता है। जो मनुष्य गुरु एवं गोविन्द को प्रणाम करते हैं। अपने कहे हुए वचनों को पूर्ण करते हैं। साधु सेवा करते हैं। वेद एवं पुराण श्रवण करते हैं। सत्संग करते हैं। हवन, जप-तप, पूजा-पाठ करते हैं। स्वच्छ एवं निर्मल मन से दान करते हैं। ऐसे कर्मशील मनुष्य सदैव भगवत कृपा से परिपूर्ण रहते हैं।

आज जब धर्म के प्रचार हेतु आपके द्वारा ''बृहस्पतिधाम पत्रिका'' का प्रकाशन हुआ है। तो यह निश्चित रुप से अति प्रशंसनीय कार्य है। देवों के देव 'देवगुरु बृहस्पति' की महिमा अवर्णनीय है और उनकी कृपा का प्रसाद 'बृहस्पतिधाम' के रुप में मिला है। यह हमारे लिए परम् सौभाग्य की बात है।

इस पत्रिका के माध्यम से धर्म का प्रचार घर-घर तक हो। यह पत्रिका नित नये आयाम स्थापित करे। आपके इस पुनीत कार्य से देवगुरु बृहस्पति की कृपा और आशीर्वाद सदा आप पर बना रहे।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ....

शुभाशीष

महंत श्री नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

राजयोग नियामक विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : बिमलेश अग्रवाल, जयपुर

सबसे बड़ा कौन ...

देवताओं के राजा इन्द्र का दरबार लगा हुआ था। सभी देवता वहाँ उपस्थित थे। इस सभा में नवग्रहों में सबसे बड़ा कौन, इस विषय पर चर्चा चल रही थी। सभी अपने आपको सर्वोपरि बता रहे थे। सबके तर्क समाप्त होने के पश्चात देवगुरु बृहस्पति ने बोलना प्रारम्भ किया।

सबसे बड़ा तो मैं हूँ, इसीलिए गुरु कहलाता हूँ। गुरु भी देवताओं का। इसीलिए मेरा उच्च स्थान है। मैं पुरुषत्व से परिपूर्ण हूँ। शिक्षा और वेद-शास्त्रों का विद्वान हूँ। मेरा शुभ प्रभाव जिसपर पड़ता है वह व्यक्ति वेद-शास्त्रों, दर्शन, धर्म उपासना और विद्वता से परिपूर्ण हो जाता है।

मेरे द्वारा स्त्रियों का सौभाग्य, कन्याओं का वर पक्ष और दाम्पत्य जीवन के सुख का निर्णय किया जाता है। मैं ही जातक की लग्न कुंडली में राजयोग बनाकर देवर्षि का पद दिलाता हूँ। पुत्र प्राप्ति या संतान हीनता का विचार मुझसे ही किया जाता है। व्यक्ति की मानसिक योग्यता मेरे प्रभाव के शुभाशुभ से नापी जाती है। मैं सुख-संपत्ति प्रदाता हूँ।

मैं ही व्यक्ति को कुटुम्ब, अचल संपत्ति, वाक् शक्ति एवं वाणी का गुण देता हूँ। सत् वृत्तियों को प्रदान करने वाला मैं ही एक सात्विक ग्रह हूँ। सत्यवादी हरिश्चन्द्र मैं ही था। त्रेता में राम के रूप में मेरा ही महत्व झलकता था। द्वापर युग में श्रीकृष्ण के रूप में मैं ही था। मैं ही विष्णु हूँ। मुझे तीनों लोक में पूजा जाता रहा है। कलयुग में सुमति, शांति, ज्ञान और सदाचार का स्वरूप मेरे द्वारा ही बचा हुआ है। अतः अब आप भली-भाँति जान गए होंगे कि सबसे बड़ा कौन है?

सुख-शांति दायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : मिनी मजूमदार, सेंट पीटर्सबर्ग, यू. एस. ए.

वेदों में देवगुरु बृहस्पति – एक विलक्षण देव

श्रीनन्दन मिश्र

यजुस्सामाथर्ववेदाचार्य

जयपुर

सम्पूर्ण वैदिक वाङ्मय में देवगुरु बृहस्पति का सर्वोच्च स्थान है। इनकी स्तुति में 11 सकल सूक्त कहे गये हैं। सूक्तद्वय में इन्द्र के साथ युग्म भी बनता है। वैदिक संहिताओं में इनका नाम लगभग 120 बार प्राप्त होता है। ब्राह्मणस्पति के रूप में 50 बार इनकी स्तुति की गयी है। बृहस्पति की विग्रह सम्बन्धी विशेषताएँ पूर्णरूप से नहीं उभर पायी हैं।

वे सप्तमुख व सप्तरश्मि हैं-

''बृहस्पति प्रथमं जायमानो महो ज्योतिषः परमे व्योमन्।

सप्तास्यतु विजातो खेण विसप्तरश्मि रमधत्तमांसि।।

वे मन्द्रह्विव, तीक्ष्णश्रृङ्ग, नीलपृष्ठ और शतपत्र हैं- ''सहिशुचिः शतपत्रः स शुन्ध्यु हिरण्यवासी रिषिरः स्वर्षा'। वे हिरण्यवर्ण और लोहितवर्ण भास्वर शुचि सुव्यक्त ध्वनि वाले हैं। उनके पास ऋत की प्रत्यञ्चा से सुशोभित धनुष व बाण हैं। त्वष्टा द्वारा पैना किया हुआ आयस कुल्हाड़ी भी हाथ में धारण किए हुए हैं। इनका रथ भी ऋत का ही बना हुआ है- ''बृहस्पते परिदीया रथेन रक्षोहामित्रां अपबाधमानः।'' यह रथ यातुधनों की कीलता गो वज्रों को तोड़ता व प्रकाश को जीतता है। इस रथ को लोहित वर्ण अश्व खींचते हैं-

''तं शउमासो अरूषामो अश्वा बृहस्पतिसहवाहोवहति।'' बृहस्पति सर्वप्रथम व्यापक प्रकाश से चमचमाते स्वर्ग में उत्पन्न हुए तथा अपने स्तनयित्नु रथ द्वारा अन्धकार का नाश किया था। वे दोनों लोकों के तनय है।

''ब्राह्मणस्पतिरेता संकर्माद इवाधमत्।'' बृहस्पति एक पुरोहित हैं, ब्रह्मन् हैं। परवर्ती वैदिक साहित्य में बृहस्पति देवताओं के पारिभाषिक अर्थ में पुरोहित हैं। बृहस्पति उपासना योग को बढ़ाते हैं, उनके बिना यज्ञ सफल नहीं हो सकता। वे शास्त्र गायन में प्रवीण हैं, उनके साथ मन्त्र वेत्ताओं की मण्डली चलती है - ''स सुष्टुभासत्रत्तक्वतः गणेन बंल सरोज फलिंग खेण।'' इसी कारण उन्हे गणपति कहा गया है- ''गणानान्त्वा गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुप श्रवस्तमम्।''

अनेक मन्त्रों में बृहस्पति का तादूप अग्नि से किया गया है। नीलपृष्ठ गृहों में अपना आवास बनाने वाले, प्रभासित, हिरण्यवर्ण एवं लोहित बृहस्पति से अग्नि का ही लिया जाना स्वाभाविक है। अग्नि के समान बृहस्पति पुरोहित है, वे शवसः सूनु और अंगिरस है। बृहस्पति स्वर्ग पर या उच्चतम आवास पर आरोहण करते हैं व ग्रहों में वन्दनीय सदसस्पति है।

जब अंगिरस बृहस्पति ने गो वज्र को अनावृत किया और इन्द्र के साथ सहायक रूप में अन्धकार अर्णस् को उन्मुक्त किया तब उनके ऐश्वर्य के सम्मुख पर्वत भी नत हो गया। सलिल और प्रकाश की इच्छा से अबाध्य बृहस्पति अपने शत्रुओं को ज्वालाओं में झुलसा देते हैं। ''बृहस्पतिर्हनत्यमित्रयर्कैः'' उन्होनें अन्धकार को धेर स्वर्ग को अनावृत किया, मधु भरे पाषाणमुख कुएँ को बृहस्पति ने त्वष्टा के द्वारा देवगणों को पानी पिलाने के लिए भेद दिया। पाषण में विहित मधु को उन्होनें खोज निकाला, मानो उन्होनें बल की मज्जा को ही बाहर खींच लिया। उन्होनें गौओं को उन्मुक्त किया और स्वर्ग में वितरित किया। बृहस्पति का बल विजय इतना प्रख्यात हुआ कि आगे चलकर यह एक मुहावरा ही बन गया- ''बृहस्पतिरिवाहं बलं वाचाविस्त्रं सयामि तत्।'' गोमोचन गाथा में बृहस्पति अन्धकार में प्रकाश खोजते हैं। उन्होनें धन सम्पन्न पर्वत का भेदन किया और शम्बर के दुर्ग का विध्वंस किया। सर्वप्रथम उत्पन्न यज्ञ पुरूष बृहस्पति अंगिरस जो कि पाषाणों का भेदन करते हैं। वे वृत्रों का वध करते, दुर्गो को विदीर्ण करते और शत्रुओं को पराजित करते हैं। युद्ध में उन्हें पुकारा जाता है।- ''भरेषु हत्योन्मसोसद्धां वे युद्ध में भूरिश प्रशंसित होने वाले पुरोहित हैं। इन्द्र के सहायक होने के कारण बृहस्पति को इन्द्र के साथ बारम्बार आमन्त्रण प्राप्त है। तादात्म्य होने के कारण बृहस्पति को सोम पान से ''मधवन्'' की उपाधि मिल जाती है। इन्द्र के साथ ही बृहस्पति का युग्म बैठता है, फलतः वज्रिन् की उपाधि मिल जाती है।

बृहस्पति अपने उपासकों पर अनुग्रह करते हैं तथा पामरों को वे दण्ड भी देते हैं। वे ऋजुधर्मा मानव को सभी संकटो, सभी उत्पातों, अभिशापों और शत्रुओं से बचाते हैं, और उस पर अकूत धन सम्पत्ती की वर्षा करते हैं। सभी वनीय वस्तुओं के अधिपति बृहस्पति धनद एवं सम्पत्ति को बढ़ाने वाले हैं। वे आयु बढ़ाते और रोगों का दमन करते हैं। अपनी इस उदार वृत्ति के कारण ही वे पिता कहलाते हैं- ''एवपित्रे विश्ववेदेवाय वृष्णे यज्ञैविधे. भनमसा हविर्भिः।'' वे असूर्य है, सभी देवों से सम्बद्ध हैं। देवों के भी देवतम है।

वेदोन्तर कालीन साहित्य में बृहस्पति नामक तारा मानो जाने लगा है। बृहस्पति शब्द अनियत समास है। बृहवर्धने धातु से इसकी व्युत्पत्ति हुई है। ब्रह्मणस्पति (ब्रह्म का स्वामी) ब्रह्म यह ज्ञान का वाचक है। बृहद् ब्रह्म ज्ञान का पति, पुराणों में यह ब्रह्म है। बृहस्पति मूलतः अग्नि के ही एक पक्ष थे और वे भक्ति के अधिष्ठाता दिव्य पुरोहित थे। लांग्लुई एम.एच. विल्सन और मैक्समूलर बृहस्पति को अग्नि का रूप मानने में सहमत हैं। बेबर का कहना है कि बृहस्पति इन्द्र के पुरोहितों द्वारा कल्पित भावात्मक देव हैं। हिलेब्रान्त उन्हें वनस्पतियों का अधिष्ठाता और चन्द्रमा का मानवीकरण बताते हैं, जो मुख्यतः इस ज्योतिष्पुञ्ज के ज्वालामय पक्ष का ही प्रतिरूप है।

सम्मान-समृद्धि दाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : जीवन कुमार, यू. के.

बृहस्पति कृपा प्राप्ति हेतु विशेष वस्तुएँ

बृहस्पतिधाम न केवल धार्मिक कार्यों में ही अग्रसर है बल्कि मानव सेवा के लिये भी कृतसंकल्प हैं आधुनिक युग में मनुष्य इतने संसाधन होने के पश्चात् भी दुखी और परेशान है, क्योंकि भौतिकवाद और विलासिता के इस दौर में व्यक्ति अनेक रोगों से पीड़ित है। कोई नौकरी नहीं होने से, कोई व्यापार नहीं होने से, कोई संतान के दुखों से, कोई शिक्षा की कमी से, कोई अन्याय से दुखी है। ऐसे दुखी लोगों की सेवा के लिए बृहस्पतिधाम ने देवगुरु बृहस्पति की कृपा प्राप्ति हेतु अभिमंत्रित वस्तुऐं तैयार की हैं, जिनका निरन्तर उपयोग करने से मनुष्य अनेक कष्टों एवं परेशानियों से मुक्त होकर सुखमय जीवन यापन कर सकता है। ऐसी अद्भुत वस्तुओं का पूर्ण विवरण यहाँ दिया जा रहा है। जिससे आप इन वस्तुओं के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकें एवं इनके उपयोग द्वारा अनेक परेशानियों से बचा जा सके। यह सभी सामग्री बृहस्पतिधाम में उपलब्ध है।

बृहस्पति यंत्र

बृहस्पति यंत्र – बृहस्पति धाम द्वारा निर्मित ''बृहस्पति यंत्र'' बहुत ही सुन्दर गोल्ड प्लेटेड यंत्र है, जो कि बृहस्पति मंत्र से सुसज्जित है। इस यंत्र को देवगुरु बृहस्पति के चरणों में रखकर विधि विधान पूर्वक पूजन करके सवा लाख बृहस्पति मंत्रों से अभिमंत्रित करके अति शक्तिशाली बनाया गया है। पूर्व में देवगुरु बृहस्पति की प्रतिमा नहीं होने के कारण कैले के वृक्ष की पूजा की जाती रही है। लेकिन बृहस्पतिधाम के अथक प्रयास से आप देवगुरु बृहस्पति की प्रतिमा बृहस्पति यंत्र में बृहस्पति मंत्र के साथ उपलब्ध हैं। यह गोल्ड प्लेटेड यंत्र पूजा स्थल में रखें और प्रतिदिन इसकी पूजा अर्चना करें। निश्चय ही देवगुरु बृहस्पति की विशेष कृपा आप को प्राप्त होगी। सभी को बृहस्पति मंत्र ''ॐ बृं बृहस्पतयै नमः'' का जाप नित्य रुप से करना चाहिये। इस गोल्ड प्लेटेड यंत्र को पूजा घर में रखकर पूजा करने से देवगुरु बृहस्पति प्रसन्न होते हैं और आपकी सभी इच्छाओं को पूरा करते हैं। घर में खुशहाली आती है। सभी सदस्य प्रेम पूर्वक सुखमय वातावरण में जीवन का आनन्द प्राप्त करते हैं। इस यंत्र के घर में रहने से कभी भी निर्धनता नहीं आती है। इसे अपने व्यवसायिक स्थल/दुकान, फैक्ट्री में रखने से निरन्तर वृद्धि होती है। व्यवसाय दिन दूना रात चौगुना बढ़ने लगता है। इस यंत्र के होने से कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की हानि की आशंका समाप्त हो जाती है और धनलाभ होता है।

Brihaspati yantra is a gold plated image with brihaspati mantra of Guru Brihaspati with brihaspati mantra . The yantra is kept in the sanctorum of brihaspati dham and pooja is performed to imbibe all positive rays into the yantra. Till this day all of us were offering our prayers to symbols of Guru Brihaspati, i.e the plantain tree, but now we have the opportunity to place the idol of Guru Brihaspathi in our pooja room and offer prayers everyday.

व्यापार-धन प्रदाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : अनिल कुमार, नोएड़ा

बृहस्पति तिलक

बृहस्पति तिलक – बृहस्पति धाम द्वारा तैयार किया गया ''बृहस्पति तिलक'' अष्टगंध एवं चंदन के मिश्रण से तैयार किया हुआ विशेष तिलक है, जो कि साधारण कुमकुम या तिलक की अपेक्षा अति उत्कृष्ठ तिलक है। इसे विधि विधान से पूजाकर देवगुरु बृहस्पति के चरणों में रखकर सवा लाख बृहस्पति मंत्रों से अभिमंत्रित किया गया है। इसे सभी मनुष्यों को अपने ललाट/माथे पर लगाना चाहिये। इसे लगाने से शीतलता का अनुभव होता है। यह मस्तिष्क को ठंडा रखता है। मनुष्य के व्यक्तित्व में विशेष आकर्षण आता है। इससे व्यक्ति तेजस्वी बनता है। स्वयं में विशेष आत्मविश्वास भर जाता है। इसे लगाने से सद्बुद्धि आती है। दिमाग में सद्विचार आते हैं। यह तिलक पूजा के समय घर के सभी सदस्यों को लगाना चाहिए। विशेष तौर पर विद्यार्थियों को इसे जरुर लगाना चाहिये, जिससे उनका मन अध्ययन कार्य में लगता है और वे श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम प्राप्त करते हैं। इसे लगाने से याददाश्त में बढ़ोतरी होती है, इसे लगाने से सुख एवं सम्पत्ति प्राप्त होती है, तथा सर्वत्र विजय प्राप्त होती है।

Brihaspati Tilak: Brihaspati Tilak is the tilak which was kept in the sanctorum amidst chanting of hyms. This tilak should be kept in the pooja room and the devotees should apply tilak on their forehead after performing pooja. It can be applied on the forehead while proceeding for a auspicious job also.

मांगलिक कड़ा

मांगलिक कड़ा – बृहस्पति धाम द्वारा तैयार किया गया बृहस्पति कड़ा विधि विधान पूर्वक पूजा करके सवा लाख बृहस्पति मंत्रो से अभिमंत्रित कर तैयार किया गया है। विशेष धातू से निर्मित यह कड़ा मन को स्थिर रखता है। इसे पहनने से कार्य में मन लगता है। यह रक्त चाप को नियंत्रित करने में लाभकारी है, इसे पहनने से मन एवं चित्त स्वस्थ रहता है। यह कड़ा बुरी नजर से बचाता है। निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि करता है। अनिष्ट होने से बचाता है। पुरुषों को इसे दाँये हाथ में एवं स्त्रियों को बाँये हाथ में पहनना चाहिये। इसे पहनने वाले व्यक्ति सदा क्रियाशील रहते हैं। इसे धारण करने वाले मनुष्य की आय में बढ़ोतरी होती है। यह कड़ा व्यक्ति को प्रभावशाली बनाता है, इसके प्रभाव से व्यक्ति सदा सुखी रहता है एवं उसकी सम्पन्नता में वृद्धि होती है।

मांगलिक धागा

मांगलिक धागा – बृहस्पति धाम द्वारा तैयार किया गया मांगलिक धागा विधि विधान पूर्वक पूजा करके सवा लाख बृहस्पति मंत्रो से अभिमंत्रित कर तैयार किया गया है। पीले धागे से निर्मित यह धागा मन को वश में रखता है। इसे पहनने से शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। पुरुषों को इसे दाँये हाथ में एवं स्त्रियों को बाँये हाथ में पहनना चाहिये। इसे धारण करने वाले मनुष्य की आय में बढ़ोतरी होती है। यह मांगलिक धागा व्यक्ति को प्रभावशाली बनाता है, इसके प्रभाव से व्यक्ति सदा सुखी रहता है।

Brihaspati Manglik Dhaga/ Kada: is made of golden colour thread and is to be worn on the right wrist by a male devotee and on the left wrist by the female devotee. Wearing this brings good health and prosperity to the devotee. This manglik dhaga/ kada has been made amidst chanting of hyms of Guru Brihaspati.

विद्या के देव श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : दिलीप गुप्ता, देवबंद, सहारनपुर (यू. पी.)

बृहस्पति माला

बृहस्पति माला – बृहस्पति धाम द्वारा बनाई गयी बृहस्पति माला एक चमत्कारी, अद्भुत माला है, यह गोल्डन बीड्स एवं रुद्राक्ष द्वारा बनाई गई है। इस माला को गले में धारण करने से आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। इसे धारण करने से मन मस्तिष्क व आत्मा को परम् सुख मिलता है। इस चमत्कारी माला को विधि विधान पूर्वक पूजा कर सवा लाख बृहस्पति मंत्रों द्वारा सिद्ध करके बनाया गया है। इसे धारण करने से सभी कार्य पूर्ण होते हैं। इसे धारण करने वाला व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त करता है, अच्छा कैरियर बनता है, सफल व्यवसायी बनता है, यह माला रक्तचाप को नियंत्रित करने में लाभकारी है। इसे पहनने से क्रोध शांत होता है। व्यक्ति के जीवन में आने वाली रुकावटें जैसे विवाह, संतान, विदेश यात्रा, पारिवारिक अशांति, मानसिक विकार समाप्त होते हैं। व्यक्ति भाग्यशाली बनता है। इस माला को प्रतिदिन स्नानादि के पश्चात् पूजा के समय अवश्य धारण करना चाहिये। रात्रि में विश्राम के समय इसे उतार देना चाहिये। बीमारी के समय इस माला को रात्रि में भी धारण करना चाहिये। प्रत्येक गुरुवार को इस माला से 108 बार ''ऊँ बृं बृहस्पतयै नमः'' का जाप करना चाहिये। जिससे जीवन में आश्चर्यजनक सफलता मिलती है।

Mala : beads or spiritual beads worn around the neck can enhance our awareness of mind, body and spirit. Spiritual beads remind you to access the love, healing and creativity of your heart and soul. Brihaspathi Mala has been made with golden colour beads and rudraksha. These malas have been kept in the sanctorum amidst chanting or mantras 1.25 lakh times by spiritual pundits. By wearing this mala around the neck, any devotee will be benefited to achieve his goals of life like education, career, business,wealth, marriage, pitradosh,foreign trip, happy family ties, child birth etc., This mala has to be worn in the morning after performing regular pooja. And removed before retiring to bed. However, in case of minor illness or excess distress the mala can be worn during the night also. On Thursdays specially and on other week days also the devotee and hold the mala in the right hand between the right thumb and right index finger and chant “OM BRIM BRIHASPATHAYE NAMAH:” 108 times. By doing so the devotee will be bless with all good things in life.

विवाह संतान फलदायक विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : त्रिलोचन, हुंजन, कैलगिरि, कनाडा

बृहस्पति दुपट्टा

बृहस्पति दुपट्टा – देवगुरु बृहस्पति आपके समस्त कष्टों का हरण करने वाले देव हैं। भगवान बृहस्पति की पूजा-अर्चना करते समय बृहस्पति धाम में मिलने वाले दुपट्टे को अपने शरीर पर धारण करके पूजा-अर्चना करने से मन में आने वाले बुरे विचार, अशांन्ति व दुखों का नाश होता है। इसे धारण करने वाला व्यक्ति चित्तमन एवं पूर्ण निष्ठा से भगवान की पूजा अर्चना करता है। किसी प्रकार की बुरी शक्तियाँ व्यक्ति की साधना को भंग नहीं करती हैं। देवगुरु बृहस्पति के चरणों में रखकर विधि विधान पूर्वक पूजा कर बृहस्पति मंत्र से अभिमंत्रित किये हुए दुपट्टे को धारण करके बृहस्पति मंत्र का जाप करने से देवगुरु प्रसन्न होते हैं और मनोवांछित फल प्रदान करते हैं। इसे पूजा स्थल पर रखने से विशेष प्रकार की शक्ति का आभास होता है। बृहस्पति धाम जयपुर द्वारा निर्मित दुपट्टा धारण करने से सुखद परिणाम प्राप्त होते हैं।

Brihaspati Dupatta: Brihaspati Dupatta is a length of sacred cloth which is put on the idol in the sanctorum while performing the pooja and aarti. As it already carries all the sacredness, we wish that the blessing of Guru Brihaspati should reach the devotee. So we decided to make the product reach the devotee. This dhupata should be worn by the devotee while performing the pooja.

बृहस्पति मूर्ति

बृहस्पति मूर्ति – बृहस्पति धाम में भक्तों के विशेष अनुरोध पर ''बृहस्पति मूर्ति'' तैयार की गई है। यह गोल्ड प्लेटेड मूर्ति अति आकर्षक है। इसका स्वरूप बृहस्पति धाम में स्थित प्रतिमा का ही लघु रूप है। प्राचीन काल से ही बृहस्पति देव की कोई मूर्ति नहीं होने से केले के वृक्ष की पूजा होती आई है, परन्तु हमारे वेदों में भगवान बृहस्पति के स्वरूप का वर्णन मिलता है। उसी वर्णन के आधार पर देवगुरु बृहस्पति की आद्यवेदानुरूप साढ़े पाँच फुट ऊँची स्वर्णिम प्रतिमा बृहस्पति धाम में स्थित है, जिसका लघु रूप बृहस्पति धाम द्वारा भक्त जनों को सुलभ कराया गया है। इस मूर्ति को विधि विधान पूर्वक पूजा कर सवा लाख बृहस्पति मंत्रों से अभिमंत्रित किया गया है। इसे पूजा घर में पूर्ण निष्ठा से स्थापित करना चाहिये और प्रतिदिन पूजा अर्चना करनी चाहिये। इस मूर्ति की आराधना करने से घर में सुख शान्ति आती है। सुख सम्पत्ति में बढ़ोतरी होती है। व्यापार में अधिक आय होने लगती है। विद्वता प्राप्त होती है और अनेक शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं।

Brihaspati Moorti: Brihaspati moorti is a gold plated image of Guru Brihaspati. The moorti is kept in the sanctorum of brihaspati dham and pooja is performed to imbibe all positive rays into the moorti. Till this day all of us were offering our prayers to symbols of Guru Brihaspati, i.e the plantain tree, but now we have the opportunity to place the idol of Guru Brihaspathi in our pooja room and offer prayers everyday. The devotee may chant the beeja mantra, Guru Stotram and Guru Ashtakam while performing pooja.

राजयोग नियामक विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : सुमित खुराना, दिल्ली

बृहस्पति व्रत कथा पुस्तक

बृहस्पति व्रत कथा पुस्तक – बृहस्पति धाम में उपलब्ध बृहस्पति व्रत कथा पुस्तक में व्रत की पूर्ण विधि एवं कथा का देवगुरु बृहस्पति के सुन्दर चित्रों सहित वर्णन किया गया है। यह पुस्तक सत्साहित्य के साथ प्रकाशित की गई है। गुरुवार को बृहस्पति व्रत करने से देवगुरु बृहस्पति प्रसन्न होते हैं। गुरुवार के दिन पीले वस्त्र पहनने चाहिये। चने की दाल, गुड़, स्वर्ण, हल्दी, गौ घृत, केसर, बादाम, पीली किशमिश, पीला फल, पीला पुखराज देवगुरु बृहस्पति जी के मन्दिर में अर्पित करना चाहिए। गौ एवं अश्व दान का विशेष महत्व है। विधि पूर्वक देवगुरु बृहस्पति की पूजा करके देवगुरु बृहस्पति का स्मरण करते हुए इस पुस्तक में दी गयी व्रत कथा को पढ़ना एवं श्रवण करना बहुत ही फलदायी होता है। इस कथा को कहने से और इसका श्रवण करने से सभी दुखों का अंत होता है और सुखों की प्राप्ति होती है। घर परिवार में सुख शान्ति आती है। देवगुरु प्रसन्न होकर भक्तों की इच्छाएँ पूर्ण करते हैं।

Book : Observing fast on Thursday: As per our belief and experience when a devotee observes fast on Thursday and offers pooja to Devguru Brihaspati is blessed with happiness in married life and prosperity. The procedure of observing fast is detailed in this book. It is our experience that all the devotee who have observed the fast are blessed by Guru Brihaspati

सुनहला

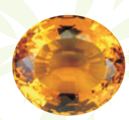

Citrine: It is of a light yellow colour. Citrine is inexpensive but can work wonders. Citrine is highly recommended for those belonging to solar sign Gemini. Citrine can also be used with profit by Librans and Scorpios. According to ancient Hindu mythology use of this gem, ward off the risk to injury or attack. Citrine should be used by those duties involve handling of dangerous machines. Citrine works as a talisman to cure certain diseases including mental deerangemtn, hysterai madness, suicidal tendency. Citrine symbolizes sobriety, clemency, faithfullnes, and gentleness. One gets kindhearted, generosu and wealthy by wearing Citrine. One also get more brilliancy and intelligence leading a peaceful, pleasant and contended life. The spouse of the wearer will be faithfull and loyal forever. Citrine is also recommended gem for persons of birth number 1. The use of Citrine gem also appeases anger, turns sadness into happiness, brings wealth and enhances positions and prestige. Citrine should be used in combination with pearl of good quality. (In addition Sri yantra carved or silver or cooper or gold ring should be used which will enhance the efficacy of the use of the precious gem) Use of this gem facilitates recovery of lost possessions and improvement in financial status and position. It also confers dignity, poise, intelligence, wisdom and nobility of character. Its use is recommended for those suffering from cough and cold, liver ailments, jaundice, nervious disorders, loss of appetite, indisgestion, burning sensation in limbs leprosy.

विद्या के देव — विश्व का एकमात्र — श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : अनुसुईया, दिल्ली

पुखराज

Yellow Sapphire : are mostly used for curative purpose. They are also used for wealth, longetivity, power and for fighting diseases. When gems comes in contact with the body, it injects rays into the body, restoring the balance between deficiency and excess. So this is how yellow sapphire helps to tackle and cures diarrhea, jaundice, impotency gastritis, ulcer, heart problems, rheumatism, gout, arthritis etc. Again yellow sapphire and red coral help ladies in their early marriage. Also yellow sapphire increases the rate of success in higher studies. combination of yellow sapphire with other stones gives success in competitive exams. In promotion, trade and business yellow sapphire plays a great role. Also if you are under the effects of dasha of Venus and Venus is giving problem to you then the problems may be countered by wearing yellow sapphire. Wearing of yellow sapphire will be beneficial as it is luck stone. If worn with red coral it will be more beneficial. But if your Jupiter is malefic then you should worship lord Vishnu and lord Shiva in addition to wearing yellow sapphire specially in dasha of Jupiter. So in order to have better monetary results, name, fame, wealth and good health one should wear yellow sapphire. Also it helps to improve the eye sight and is supposed to protect a person from calamities, misfortunes and enemies. It cures ulcer rheumatism, gastric problems, jaundice, asthma, arthritis, gout and impotency.

ऑडियो एवं विडियो सी. डी.

ऑडियो एवं विडियो सी. डी. : प्रथम बार बृहस्पतिधाम, जयपुर द्वारा देवगुरु बृहस्पति के भजनों का संग्रह तैयार किया गया है। सभी भजनों को सुप्रसिद्ध गीतकार, संगीतकार एवं गायक श्रीयुत राजेन्द्र जैन मुम्बई द्वारा स्वरबद्ध किया गया है एवं साथ ही सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका उषा मंगेशकर जी ने भी अपनी सुमधुर आवाज में भजनों को गाया है। भजन सुनकर श्रोतागण भाव विभोर हो जाते हैं सभी भजन सी. डी. एवं वी. सी. डी. में उपलब्ध हैं। यह सी. डी. एवं वी. सी. डी. बृहस्पतिधाम जयपुर से प्राप्त कर सकते हैं, अथवा ऑनलाईन बुकिंग कराकर अथवा डाक / कोरियर द्वारा भी मंगवा सकते हैं।

राजयोग नियामक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : सुशील कुमार, दिल्ली

व्यवसाय एवं धन प्रदाता, देवगुरु बृहस्पति

बृहस्पति ग्रह और व्यवसाय

आचार्य आर. भारती
ज्योतिषाचार्य
दिल्ली

हमें किसका व्यापार या व्यवसाय करना चाहिए ताकि भविष्य में हमें आशातीत लाभ प्राप्त हों। किस क्षेत्र का चुनाव करें, जिसमें सफलताओं की आसीम संभावनाएं हों। जिसमें हमें धन-दौलत के साथ-साथ यश, मान-सम्मान भी मिले। यह निर्णय लेना बहुत कठिन है, लेकिन ग्रहों के आधार पर हम अपने व्यवसाय या व्यापारिक क्षेत्र का चुनाव आसानी से कर सकते हैं। जो ग्रह अत्यधिक बलवान होकर लग्न , लग्नेश आदि आजीविका के द्योतक अंगों पर प्रभाव डालता है, वह ग्रह आजीविका के स्वरूप अथवा प्रकार को बतलाता है। अत: ग्रहों के स्वरूप का ज्ञान आजीविका के निर्णय करने के लिये अत्यावश्यक है। इसी तध्य को ध्यान में रखते हुए बृहस्पति ग्रह के स्वरूप का संक्षिप्त विवेचन नीचे किया जा रहा है:-

बृहस्पति 'धन' का कारक ग्रह है। जब यह ग्रह द्वितीय तथा एकादश भावों का स्वामी हों और लग्न-लग्नेश आदि स्थानों पर अधिकतम प्रभाव डालने के कारण 'व्यवसाय' का द्योतक ग्रह भी हो तो यह 'गतिशील' धन से, सूद ब्याज-से या बैंक की नौकरी से धनोपार्जन कराता है।

बृहस्पति ग्रह 'कानून' से घनिष्ठ संबंध रखता है। यदि यह अष्टमेश, एकादशेश तथा बलवान होकर बुध को साथ लेकर अथवा शुक्र को साथ लेकर 'व्यवसाय' का द्योतक हो अर्थात् लग्न लग्नेश आदि लग्नों पर अपना प्रभाव डालता हो तो मनुष्य को एडवोकेट, इन्कमटैक्स का वकील बनाता है। उपरोक्त गुरु पर यदि मंगल का प्रभाव हो तो फौजदारी का वकील बनाता है। अधिक बलवान होने पर यही बृहस्पति व्यक्ति को न्यायाधीश भी बना देता है।

बुध की भांति बृहस्पति ग्रह भी भाषण से घनिष्ठ संबंध रखता है। अत: जब वाणि-द्योतक घरों-द्वितीय तथा पंचम का स्वामी होता हुआ बुध को साथ लेकर 'व्यवसाय' का द्योतक होता है तो मनुष्य भाषण द्वारा आजीविका प्राप्त करता है जैसे कि वकील तथा अध्यापक।

बृहस्पति ग्रह का जब नवमेश, द्वादशेश व पंचमेश से संबंध होता है और पुन: वह बृहस्पति व्यवसाय का परिचायक हो तो मनुष्य मंदिर, देवस्थान, धर्मशाला आदि द्वारा पुरोहित-पुजारी आदि के रूप में धन प्राप्त करता है। ऐसे योग में लग्न-लग्नेश आदि पर बृहस्पति तथा शुक्र का प्रभाव होने से मनुष्य का जन्म भी ब्राह्मण कुल में होता है। बृहस्पति को 'राज्यकृपा कारक' माना गया है और नवम् स्थान राज्यकृपा का है। यदि बृहस्पति नवमेश होकर बलवान हो और लग्न, लग्नेश आदि पर अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव डालने के कारण 'व्यवसाय' का द्योतक भी हो तो मनुष्य को देवयोग से राज्य की प्राप्ति होती है और उससे धन मिलता है अथवा किसी महान राज्याधिकार द्वारा आजीविका प्राप्त होती है।

सम्मान-समृद्धि दाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : प्रवीण सोलंकी, दिल्ली

व्यापार हेतु वास्तु विचार

पं. आर. बी. गोस्वामी
वास्तुशास्त्री
दिल्ली

सृष्टि का निर्माण पाँच मूल तत्त्वों-पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल एवं आकाश से माना गया है। इन पाँच तत्वों का सजीव समावेश मनुष्य है। इस पृथ्वी पर समस्त कार्य जो भी किया जाता है, सूक्ष्म हो या स्थूल ये पाँच तत्व ही कारक बनते हैं एवं मनुष्य के लिए ये पाँच तत्व ही अत्याधिक आवश्यक है। अत: हम कह सकते हैं कि प्रकृति के साथ रहना ही वास्तुशास्त्र है। वास्तु नियमों का पालन करने से भवन में रहने वाला या व्यापार करने वाला व्यक्ति सुखी, धार्मिक, रोगमुक्त एवं धनवान रहता है।

दुकान के पूर्व में मुख्यद्वार, पश्चिम से पूर्व की ओर तथा दक्षिण से उत्तर की ओर फर्श ढलाऊ होना श्रेष्ठ माना गया है। व्यापारी को आग्नेय में पूर्वी दीवार की सीमा स्पर्श किये बिना दक्षिण आग्नेय की दीवार से सटकर उत्तराभिमुखी हो आसीन होना चाहिये तथा तिजोरी को दांयी तरफ रखना चाहिये। किसी भी परिस्थिति में ईशान या वायव्य दिशा में आसीन नहीं होना चाहिये। यदि संभव हो तो नैऋत्य में चबूतरे या मेज़ का प्रबंध करके पूर्व या उत्तराभिमुखी हो आसीन हो सकते हैं।

किसी भी दुकान, आफिस या शोरूम का सामना पूर्वमुखी हो तो वह भूखंड सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस प्रकार का भूखंड व्यापारी को लाभ व प्रतिष्ठा देता है। पूर्व से सूर्य उदय होता है अत: पूर्व मुखी को उदयमान दिशा माना गया है। यह प्रतिभावान एवं शौर्यवान दिशा है। भूखण्ड यदि पश्चिम मुखी हो तो व्यापारी को कभी तेजी व कभी मंदी का सामना करना पड़ता है पर यह भूखण्ड भी ठीक माना गया है। पूर्वोन्मुखी भूखण्ड के

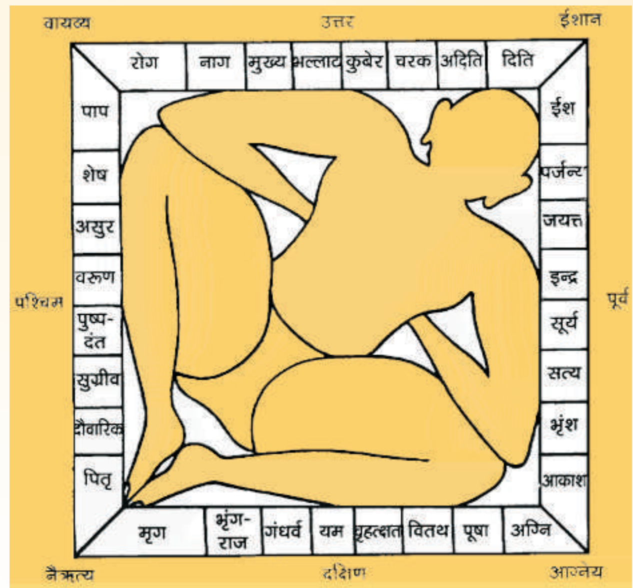

बाद उत्तरामुखी भूखण्ड को उत्तम माना गया है। उत्तरामुखी भूखंड पर स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठान धन धान्य एवं समृद्धि की वृद्धि करता है।

दुकान में तराजू को चबूतरे या मेज पर ही पश्चिम दक्षिण दीवारों की ओर रखना चाहिये। शोकेस, स्टैण्ड या अन्य भारी सामान को ईशान में नहीं रखना चाहिए। व्यापार संस्थान में मालिक या मैनेजर के कमरे का नैऋत्य दिशा में प्रबंध करें, तो अधिक लाभदायक सिद्ध होगा। उन कमरों में उन्हें पूर्व या उत्तराभिमुख हो आसीन होना चाहिये। उन कमरों के द्वारों को पूर्व और दक्षिण दिशाओं में ईशान की ओर ही रखवाना चाहिये। किसी भी स्थिति में आग्नेय या वायव्य में द्वार नहीं रखवाना चाहिये। दुकान के लिये दो शटर हो तो पूर्वी दिशा के ईशान शटर को खुला रखकर आग्नेय दिशा के शटर को बंद रखना चाहिये।

विवाह संतान फलदायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : मनीष गुलाटी, दिल्ली

बृहस्पति का शुभाशुभ प्रभाव

पं. पीयूष शर्मा
साहित्याचार्य

पुरातन भारतीय परम्परा में गुरु को सर्वाधिक सम्मान प्राप्त होता था, क्योंकि गुरु में उच्च ज्ञान, विद्वता, सरलता, सत्यवादिता, क्षमाभाव, नैष्ठिकतावाद, सहायता करने की इच्छा, आदर्श व्यवहार, बड़ों के प्रति श्रद्धाभाव, आचरण की विशुद्धता, उच्च विचार और साधारण जीवन व्यतीत करना आदि गुणों का संग्रह होता था। गुरु (बृहस्पति) देवताओं के आचार्य हैं। संस्कृत भाषा में गुरु का अर्थ 'बड़ा' भी है। बृहस्पति बड़ा ग्रह होने के कारण इसके लिए चुना गया संस्कृत नाम प्राचीन भारतीय नक्षत्रीय पर्यवेक्षणों की यर्थाथता और उन्नति का स्पष्ट सूचक है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार बृहस्पति ग्रह की दृष्टि में जितना शुभकारी प्रभाव है, उतना किसी ग्रह की दृष्टि में नहीं है। अत: जिन भावों, ग्रहों आदि पर बृहस्पति (गुरु) की दृष्टि होती है, वे प्राय: अपने गुणों आदि में प्रचुर, प्रफुल्लित, दीर्घजीवी, प्रसन्न, धनी आदि होते हैं और यह शुभ फल बृहस्पति की दशा-भुक्ति में प्राप्त होता है।

मिथुन लग्न वालों के लिए मिथुन लग्न पर पड़ रही बृहस्पति की दृष्टि लाभप्रद नहीं होती। विशेषत: उस दशा में जबकि बृहस्पति पर कोई पाप प्रभाव हो और बृहस्पति स्वक्षेत्री अथवा उच्च न हो।

मिथुन और कन्या लग्न वाली स्त्रियों की कुंडली में बृहस्पति पर चंद्र, शुक्र आदि का शुभ प्रभाव है तथा बृहस्पति केंद्रादि स्थिति के कारण बली है और पाप प्रभाव में नहीं है, तो स्त्रियों को दीर्घजीवी, धार्मिक, अनुकूल, धनाढ्य तथा गुणी पति मिलेगा और इसके प्रतिकूल यदि इन्हीं मिथुन तथा कन्या लग्न वाली स्त्रियों की कुंडली में बृहस्पति तथा सप्तम भाव पर मंगल, केतु आदि का प्रभाव हुआ तो पति के जीवन को भारी भय होगा और यदि शनि, राहु आदि का उन पर प्रभाव हुआ तो गृहस्थ जीवन कलहमय होगा और तलाक तक की नौबत आ जाएगी।

मेष लग्न में बृहस्पति नवम और द्वादश भावों का स्वामी बनता है। द्वादशाधिपति होने के कारण बृहस्पति अपनी दूसरी राशि के भाव अर्थात् नवम भाव संबंधी फल करेगा। इसलिए यदि बृहस्पति बलवान हुआ तो राज्य पुरुषों की कृपा, धर्म में रुचि, ऊँचे विचार, जीवन व्यवसाय में उन्नति, कोई लाभ आदि नवम भाव संबंधी घटनाएं घटेंगी और यदि निर्बल हुआ तो राजपुरुषों द्वारा विरोध, धर्म में अरुचि, भाग्य में हानि आदि घटनाएं घटेंगी। चूंकि बृहस्पति नवमेश अथवा द्वादशेश बनता है, अत: मुख्य फल नवम भाव करता है। पुखराज धारण करना अभीष्ट होगा।

बृहस्पति वृष लग्न में अष्टम तथा एकादश भाव का स्वामी बनता है। ये दोनों भाव अनिष्टकारी हैं। अत: वह स्वास्थ्य के संबंध में शुभ फल नहीं करेगा। एकादशेश होने के नाते लाभ अवश्य

व्यापार-धन प्रदाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : दीपक शर्मा, दिल्ली

पहुंचाएगा। यह तभी संभव होगा, जब बृहस्पति बलवान हो। यदि निर्बल हुआ तो आय में हानि, बड़े भाई को हानि, पुत्र को हानि, धन का नाश तथा रोगादि अनिष्टकारी घटनाएं घटेंगी।

पीला पुखराज धारण कर, बलान्वित किया बृहस्पति राज्य के कर विभाग में लगे व्यक्तियों को विशेष वृद्धि देता है। धन को बढ़ाता है।

मिथुन लग्न वालों के लिए बृहस्पति सप्तम और दशम केंद्रों का स्वामी बनता है। ''केंद्राधिपत्य-दोषस्तु बलवान् गुरु-शुक्रयोः'', के नियमानुसार बृहस्पति सर्वथा दोषपूर्ण होगा और षष्ठ, अष्टम, द्वादश, द्वितीय भावों में निर्बल होकर स्थित होने की अवस्था में स्वास्थ्य के लिए अपनी दशा-भुक्ति में बहुत अनिष्टकारी होगा।

यहां पुखराज पहनकर बृहस्पति को बलवान अवश्य करना चाहिए। बलान्वित बृहस्पति राजसत्ता की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा। शुभ कर्मों में प्रवृत्ति को बढ़ाएगा, पिता के धन को भी बढ़ाएगा।

कर्क लग्न में बृहस्पति षष्ठेश और नवमेश बनता है। उसकी मूल त्रिकोण राशि षष्ठ स्थान में पड़ती है, तो भी षष्ठ इतना बुरा नहीं, जितना नवम शुभ है। अतः अंतिम परिणाम में बृहस्पति कुछ शुभ फल ही करता है। जितना अधिक बलवान होगा, उतना अधिक धन, राज्य, धार्मिकता आदि देगा। यदि निर्बल हुआ तो भाग्य में हानि, राज्य की ओर से विरोध, धर्म में विमुखता, गुरुजनों से विरोध रहेगा।

धन की वृद्धि के लिए पुखराज धारण कर बृहस्पति को बलान्वित करना अभीष्ट होगा। इससे स्वास्थ्य में सुधार होगा। राज्यकृपा अधिक मात्रा में प्राप्त होगी।

सिंह लग्न के लिए बृहस्पति पंचम और अष्टम भाव का स्वामी बनता है। चूंकि इसकी मूल त्रिकोण राशि धनु पंचम भाव में पड़ती है, अतः बृहस्पति सिंह लग्न वालों को अपनी दशा-भुक्ति में शुभ फल ही प्रदान करता है, विशेषकर तब, जब वह बलवान हो। यदि निर्बल हुआ तो पुत्रनाश, भाग्यनाश, पिता को हानि आदि अनिष्ट फल देने वाला होता है।

बृहस्पति को बलवान करने के लिए पीला पुखराज धारण करें। बलान्वित हुआ बुहस्पति धन और भाग्य में वृद्धि करेगा। पुत्र के धन और सुख में वृद्धि होगी। पाचनशक्ति सुधरेगी।

कन्या लग्न में बृहस्पति सप्तम तथा चतुर्थ दो केंद्रों का स्वामी होता है, दोषपूर्ण होता है, क्योंकि यह अपनी नैसर्गिक, शुभता सर्वथा खो बैठता है। अतः बृहस्पति यदि निर्बल होकर स्वास्थ्य की दृष्टि से अशुभ स्थानों में जैसे द्वितीय, षष्ठ, अष्टम, द्वादश में स्थित हो तो अनेक रोग तथा राज्य, धन, धर्म तथा ऐश्वर्य आदि देगा।

यदि पुखराज धारण द्वारा बृहस्पति को बलवान किया जाए, तो यह सुख-सामग्री की विशेष उन्नति देगा। व्यापार में वृद्धि करेगा, मानसिक शांति में भी वृद्धि करेगा। पिता को दीर्घायु प्रदान करेगा।

तुला लग्न से बृहस्पति तृतीयाधिपति तथा षष्ठाधिपति बनता है। ये दोनों ही स्थान महाअशुभ माने जाते हैं, अतः यहां बृहस्पति अशुभ फल ही प्रदान करेगा। पुखराज रत्न द्वारा बलान्वित किया हुआ बृहस्पति स्वाथ्य तथा आयु के लिए शुभ होगा। छोटे भाइयों के धन और सुख में वृद्धि करेगा।

वृश्चिक लग्न में बृहस्पति द्वितीयेश तथा पंचमेश बनता है। द्वितीयेश स्थानांतर का फल करता है। अतः बृहस्पति पंचमेश होकर बहुत शुभ फल करेगा। यदि निर्बल हुआ तो पुत्रहानि, भाग्यहानि, विद्या हानि आदि अनिष्ट फल करता है। पुखराज द्वारा बृहस्पति के बलान्वित होने पर धन में विशेष वृद्धि होगी। विद्या बढ़ेगी, वाणी में शक्ति आएगी। पुत्र के धन और मान में वृद्धि होगी। राज्य कृपा अधिक प्राप्त होगी।

धनु लग्न के लिए यद्यपि बृहस्पति चतुर्थ केंद्र का स्वामी होता है। इसे केंद्राधिपति का दोष नहीं लगता, क्योंकि साथ-साथ लग्न का स्वामी भी हो जाता है। चूंकि लग्न का स्वामी होना योगकारक होता है। अतः बृहस्पति बहुत शुभ फलदाता है। सुख, धन, जनप्रियता, वाहन आदि का सुख देता है।

मकर लग्न के लिए बृहस्पति द्वादशेश तथा तृतीयेश होता है। द्वादशेश स्थानांतर का फल करता है। अतः बृहस्पति तृतीय भाव का फल करेगा अर्थात् अशुभ प्रभाव में निर्धनता आदि देगा, किन्तु बलान्वित किए बृहस्पति से छोटे भाइयों को धन, मान, आयु तथा स्वास्थ्य की प्राप्ति होगी। कान के रोग दूर होंगे।

कुंभ लग्न में बृहस्पति द्वितीय तथा एकादश भावों का स्वामी होता है। द्वितीयेश सदा स्थानांतर का फल करता है, अतः बृहस्पति एकादशेश रूप-से सदा अशुभ माना गया है।

मीन लग्न के लिए बृहस्पति दशम केंद्र का स्वामी होता है, तो भी लग्नेश होने के कारण बहुत शुभ फल करता है। बलवान बृहस्पति यश, स्वास्थ्य, सुख और राज्य आदि शुभ वस्तुओं की प्राप्ति करवाता है। यदि बृहस्पति बहुत निर्बल हो तो राज्य हानि, राज्याधिकारियों की ओर से परेशानी, दुःख, निर्धनता आदि अनिष्ट पदार्थों की प्राप्ति करवाता है।

जिन लोगों का बृहस्पति निर्बल सिद्ध हो वे पुखराज धारण कर बृहस्पति की निर्बलता दूर कर सकते हैं। इस प्रकार बलान्वित होकर बृहस्पति विशेष रूप-से राज्यकृपा की प्राप्ति करवाता है। शुभ कर्मों के प्रति प्रवृत्ति बढ़ेगी। पिता के धन में विशेष वृद्धि होगी। पुत्र का भाग्य भी कुछ बढ़ेगा। छोटे भाई की आयु और स्वास्थ्य में वृद्धि होगी।

सुख-शांति दायक विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : डॉ. मोहर सिंह चौधरी, जयपुर, 9414979957

द्वादश राशियों में बृहस्पति का फलादेश

अजय अग्रवाल
धार्मिक चिन्तक एवं लेखक

मेष – जिस जातक की जन्मकुंडली में गुरु मेष राशि में स्थित हो, तो वह शत्रुहंता, अधिवक्ता, यशस्वी, धन अर्जित करने वाला, ऐश्वर्यशाली, विख्यात, तेजस्वी, विजयी पुरुष होता है। देखने में वह अत्यधिक सुंदर तथा सम्राट के वंश के जनों का स्नेही होता है।

वृष – यदि वृष राशि पर बृहस्पति स्थित हो, तो जातक देवताओं में श्रद्धा रखने वाला, धनवान, स्थूल देह वाला, विद्वान होने के साथ वैधक में कुशल होता है। जातक को जीवन में संतान एवं वाहन का सुख प्राप्त होता है। जातक के अनेक शत्रु होते हैं, परन्तु शत्रुओं से हानि नहीं होती।

मिथुन – जिस जातक की जन्मकुंडली में मिथुन राशि का बृहस्पति स्थित होता है। वह सत्य बोलने वाला, विद्वान, योगी, सुखी, साम्यवादी विचारों का प्रशंसक, धर्मात्मा और धनी होता है। रत्नों के व्यवसाय से उसको लाभ प्राप्त होता है।

कर्क – यदि कर्क राशि में बृहस्पति स्थित हो तो जातक सदैव सत्य बोलने वाला, योगी, विद्वान, धनी, सुखी, साम्यवादी विचारों का प्रशसंक, वाहन-सुख से युक्त, धर्मात्मा, सदाचारी, प्रियवक्ता तथा अति कामुक होता है।

सिंह – यदि सिंह राशि पर बृहस्पति स्थित हो तो जातक शत्रुओं को पराजित करके शत्रुजित कहलाता है। ऐसा व्यक्ति वाक्पटु होता है। अनेक विद्याओं का ज्ञाता तथा वाहन से युक्त होता है। सदाचारी तथा अति कामुक और धार्मिक कार्यों में उसकी रुचि होती है तथा वह वन और पर्वतों से धन प्राप्त करने वाला होता है।

कन्या – यदि कन्या राशि पर गुरू स्थित हो तो जातक विलासी, भोगी, चित्रकला में निपूर्ण और चंचल स्वभाव का बनाने के साथ-साथ व्यक्ति को ऐशो-आराम का शौकीन भी बना देता है। ऐसे व्यक्ति से उसके शत्रु सदैव पराजित होते हैं। व्यवसाय से उसको लाभ एवं यश प्राप्त होता है।

तुला – यदि तुला राशि में बृहस्पति स्थित, हो तो जातक व्यवहार कुशल, बुद्धिमान लेखक या कवि होता है। वह नौकरी करने वाला, संगीत एवं शिल्प संबंधी कार्यों में रुचि रखने वाला, अधिक व्ययशील होता है। ऐसे व्यक्ति में आज के कार्य कल पर छोड़ देने की बुरी प्रवृत्ति होती है। मदिरा का भी वह शौकीन होता है तथा मंदाग्नि का रोगी, कपटी व साहसी होता है। यदि सूर्य उच्च नवांश में हो तो जातक दयालु तथा संगीत में रुचि रखता है। विद्वान होने के साथ क्रोध की उसमें अधिकता होती है। अग्नि और शस्त्रघात का भय तथा माता-पिता का प्रबल विरोधी होता है।

वृश्चिक – यदि वृश्चिक राशि में बृहस्पति स्थित हो तो जातक दंभी, प्रवासी, कृश देह वाला, राज्य कार्य में कुशल, पुण्यात्मा तथा शास्त्रादि निर्माण करने में चतुर होता है। जातक अपने जीवनकाल में अपनी गलतियों से धन को नष्ट करने वाला बन जाता है।

धनु – यदि धनु राशि में बृहस्पति स्थित हो तो जातक धूर्त होने के साथ-साथ निम्न वर्ग के लोगों की संगति में रुचि रखता है। उसका दंभ उसे धीरे-धीरे पतन की राह की ओर ले जाता है। ऐसा व्यक्ति किसी की भी सलाह की परवाह नहीं करता। वैसे वह अपने परिश्रम एवं चातुर्य के बल पर अपने जीवन में धन, संपत्ति तथा यश अर्जित कर लेता है।

मकर – यदि मकर राशि में बृहस्पति स्थित हो तो जातक जितना भी चाहे परिश्रम करे, उसे उसका पूर्ण रूप से फल प्राप्त नहीं होता तथा धन का अभाव सदैव बना रहता है। ऐसा जातक स्वभाव से क्रोधी होने से उनका दाम्पत्य जीवन सुखकारक नहीं होता। जातक हृदय रोगी, नीच का सेवक, नपुंसक, दु:खी, कृपण (कंजूस) होता है।

कुंभ – यदि कुंभ राशि में बृहस्पति स्थित हो तो जातक डरपोक प्रकृति वाला, पत्नी को धोखा देने वाला, कपटी, कृश देहवाला, दरिद्र, रोगी, उदर एवं दांतों का रोगी होता है। उसके जीवन का अधिकतर समय विदेशों में ही व्यतीत करता है। वह अपने कार्यों द्वारा यह पूर्व संचित धन को व्यर्थ ही समाप्त कर डालता है।

मीन – यदि मीन राशि में बृहस्पति स्थित हो तो जातक दानी, गृहकार्य में निपुण, राजकृपा से धन को एकत्र करने वाला, सदा प्रसन्न रहने वाला होता है। मीन राशि में बृहस्पति होने पर जातक रत्नों का पारखी तथा रत्नों के व्यवसाय से लाभ प्राप्त करने वाला होता है। जातक की संगीत के प्रति गहरी रुचि होती है।

विवाह संतान फलदायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : कमल सैनी, जयपुर, 9782267020

"सत्य शपथ करुणानिधान की"

रमा शंकर गौड़, जयपुर

गोस्वामी तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' भारतीय संस्कृति का एक ऐसा अनूठा ग्रन्थ है, जिसमें गागर में सागर भरा गया है। यह वह ग्रन्थ है जिस पर अनेकों शोध ग्रन्थ लिखे गये हैं, अनेक साहित्य मनीषियों एवं सन्तों ने इसके अमूल्य रत्नों को खोजकर जनमानस के सन्मुख उजागर किया है।

ऐसा ही एक प्रसंग सुन्दरकाण्ड में भी उपस्थित हुआ है। अंजनीसुत हनुमान जी सीता जी की खोज के लिये भेजे गये हैं। वे लंका में गुप्त रूप से रखी गई सीता जी के स्थल अशोक वाटिका में पहुँच गये हैं। रावण द्वारा सीता की प्रतारणा वे मौन होकर सुनते हैं।

"तरू पल्लव महु रहा लुकाई।"

क्योंकि उन्हें राम का सन्देश सीता जी को देना था। सीता जी द्वारा त्रिजटा से आत्मदाह(रावण के भय से नहीं राम के विरह के कारण) की इच्छा को त्रिजटा कैसे पूर्ति करती ? अत्यन्त विरहाकुल सीता की दशा कपीश से नहीं देखी गई। उचित समय देखकर उन्होंने सीता जी की ओर मुद्रिका डाल दी।

राम नाम अंकित उस अंगूठी को सीता जी कैसे नहीं पहचानती। राम की ओर से उन्हें दी गई यह अंगूठी सगाई की सौगात थी। वनवास के समय राम ने तो सभी आभूषण त्याग दिये थे, किन्तु गुरु वशिष्ठ ने सीता को ऐसा करने से मना कर दिया था। फलतः वे सुहाग के आभूषणों सहित वनवास में आई थी। केवट को नदी पार की उतराई देने के समय राम के संकोच को देख उन्होंने यही मुद्रिका केवट को देने को दी थी, जो केवट ने स्वीकार नहीं की थी। सम्भवतः यह तभी से राम के पास थी अथवा रावण द्वारा हरण होने पर सुग्रीवादि वानरों को देखकर आकाश मार्ग से आभूषणों की पोटली में डाल दी थी।

लंका में उस अंगूठी को देखकर उनका हृदय हर्षित भी हुआ और विषादित भी। अंगूठी को पहचानकर रामनाम पढ़कर हर्षित होना स्वाभाविक था। विषाद इसलिये कि क्या किसी ने अजय राम को जीतकर अंगूठी प्राप्त कर ली है या कहीं राक्षसों ने माया से तो नहीं बना ली। किन्तु इन दोनों बातों के प्रति उनके हृदय ने ही प्रत्युत्तर दे दिया था। ....अजय रघुराई।

माया तो असि रचि नहीं जाई।

सीता को इस किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति से उबारने के लिये मधुर स्वर में हनुमान जी श्री राम के गुणानुवाद करने लगे। जब सीता ने मनोयोग से उसे सुनना शुरू किया तो हनुमान जी ने राम जन्म से सीता हरण तक की घटनाएँ ब्योरेवार सुनाई। सीता जी के आग्रह पर हनुमान प्रकट तो हुए, किन्तु उन्हें देखकर विस्मय से सीता मुँह मोड़कर बैठ गई। इस विस्मय के कारण थे - एक साधारण सा वानर एवं वह भी लंका में और वह भी अपने को राम का दूत कह रहा है। उस पर विश्वास कैसे करें ? क्या पता कोई रावण का दूत हो ? इस बहाने फुसलाने आया हो और सीता अन्यान्य कारणों से विश्वास नहीं कर पा रही थीं। तब उदधिक्रमण (हनुमान का एक नाम) ने कहा-

सत्य सपथ करुणानिधान की।

अब सीता को भरोसा हो गया। ऐसा क्या था और कौनसा शब्द 'सत्य सपथ....' नहीं, फिर 'करूणानिधान', हाँ यही वह शब्द था जिससे जानकी को लगा कि यह कृपासिन्धु राम का दास है।

हम लोग अपने दाम्पत्य जीवन में पति पत्नी को और पत्नी पति को कोई सम्बोधन से सम्बोधित करती है। प्रायः पतियों के नाम पत्नियाँ नहीं लेती। इसे लज्जा कहें या पति की उम्र कम हो जाने का अन्य विश्वास। इसलिये कोई नामांकन होना हो जाता है। बच्चे हो जाने के बाद 'अमुक' के पिताजी का सम्बोधन तो आम है, पर उससे पूर्व प्रिय, प्रियतम, डार्लिंग, साहब आदि नाम से इंगित करना होता है, चाहे वह एकान्त के क्षणों में ही हो। ऐसा ही एक एकान्तिक सम्बोधन सीताजी ने रामचन्द्र जी के लिये चुना हुआ था और वह था 'करुणा-निधान'। 'सत्य सपथ करुणानिधान' मानो प्रीति कर गया हो। जब राम ने अंगूठी दी तो हनुमान को अलग ले जाकर यह भी कहा था, तुम्हें देखकर या तुम्हारी बातों से सीता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनमें विश्वास जगाने के लिये हम दोनों के गुप्त नाम को प्रकट करना ही पड़ेगा और यह नाम था 'करुणानिधान'।

अब देखें कि सीता ने यह नाम कहाँ से पाया? मिथलेश कुमारी जानकी ने पुष्प वाटिका में राजकुंवर राम को देखा। सीता को लगा ये ही मेरे पति होने के सर्वथा योग्य हैं। इसलिये उन्होंने तत्काल अपनी कुलदेवी पार्वती से प्रार्थना की। देखिये बालकाण्ड में -

जय जय गिरिवर राजकिशोरी।

जय महेश मुख चन्द चकोरी।।

आज भी विवाह हेतु योग्य वर के लिये कन्याएँ पार्वती माता को इसी से ही मनाती हैं। सीता भी शिव-विवाह को स्मृत करती हैं, गौरी मनाती हैं, गणेश और षडानन की माता जगत जननी से राम को पतिरूप में पाने की प्रार्थना करती हैं।

मोर मनोरथ जानऊ नीके

कहकर वे उनके पैर पकड़ लेती हैं। इतनी विनय से भवानी द्रवित होती हैं, जैसे कहती हैं 'सुन सिय सत्य असीस हमारी' तुम्हें मन चाहा

विद्या के देव श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : सिंधुबाला, जयपुर

वर प्राप्त होगा। मनोच्छित वर का वरदान –

मन जाहि रांचो मिलाई सो वर, सहज सुन्दर सांवरो,
करुणानिधान सुजान शील सनेह जानत रावरो।

वह भी तेरे मन में जो प्रेम है वह जानता है, शीलवान सुजान वह करुणानिधान है। भवानी माता के द्वारा दिये गये उस सम्बोधन को सीता ने तभी से ग्रहण कर लिया था, तभी वहाँ उस एकान्तिक विरह पीड़ा दग्ध स्त्री सीता को एक अजनबी का 'करुणानिधान' सम्बोधन विश्वास पैदा कर गया।

इस संकल्प की अन्य रूप में पुनरावृत्ति भी हुई है। रावणदर्पहा (हनुमान जी का एक नाम) राम को लंका से लौटकर सीता जी की ओर से दिया चिह्न 'चूड़ामणी' दे रहे हैं और वहीं विरह दग्ध रमणी का सन्देश भी – अश्रुसिंचत दोनों नेत्रों से सीता की मार्मिक पुकार किसी भी काव्य साहित्य का अनुपम उदाहरण है –

अवगुन एक मोर में माना। विछुरत प्रान न कीन्ह पयाना।।
नाथ सो नयनन्हि को अपराधा। निसरत प्रान करहिं हठि बाधा।।
विरह अगनि तनु तूल समीरा। स्वास जरई छन माह सरीरा।।
नयन स्रवहिं जल निज हित लागी। जरै न पाव देह विरहागी।।

फिर सीतान्वेषक हनुमान राम में वही भाव जगाने के लिये वैसे ही शब्दों का प्रयोग करते हैं करुणानिधान तो नहीं कहते मगर कहते हैं –

निमिष निमिष करुणानिधि। जाहि कलप सम बीति।।
बेगि चलिअ प्रभु आनिअ। भुज बल खल दल जीति।।
– सुन्दरकाण्ड 31

ऐसे और भी बहुत से मानस प्रसंगों पर अन्वेषण की आवश्यकता है।

KAALSARP YOGA AND PUJA-REMEDIES

Shishir Rai, Astrologer, Patna

Experts of Kaal-sarp yog say that people suffering from this yog are unsuccessful in all wakes of life but in reality, it is not so. Yes, it is imperative for them to work hard to get success in life and they get unexpected success. Late Shri Jawaharlal Nehru and Smt. Indira Gandhi are apparent examples.

If, in the horoscope of a person, all the planets come between Rahu & Ketu then it is Kaalsarp defect. If Rahu gobbles up all the planets then it is emerged defect and if Ketu gobbles up planets then it is submerged kaalsarp defect. In whatever sense (bhaav) Rahu is in, according to that the person has to face difficulties and problems. Some suffer from physical, social, economic or even family problems.

Some people believe that if Kaapsarp yog is present in father's kundli then the child also suffers from kaalsarp yog. But it is not so always and if the same is appeased within a certain timeframe then the probability of the child suffering from it decreases. In the situation of Kaalsarp defect, the person has to face more problems during the Mahadasha and antar-dasha of Rahu and Ketu. A special remedy to correct the Kaalsarp defect is done at Trayambkeshwar. But if it is not possible to go there then on any jyotirling or even at home, the given remedy could be done to get rid of the problems arising out of kaalsarp defects:-

1. Worship Lord Shiva and do rudrabhishek and every morning and evening chant 108 times either 'Om Namah Shivay' or the Mahamrutunjaya mantra.
2. Offer snake made out of silver or gold on to the Shivling as per rituals and sacraments.
3. Donate food grains equal to your weight to the Brahmins.
4. Install kaalsarp yog yantra in the house after observing proper rituals and worship it every day.
5. Chant Mahamrutunjaya mantra 1,25,000 times.
6. Chant Batukbhairav mantra 1,25,000 times.
7. Donate things associated with Rahu, like-black lenils, black mustard, black cloth blanket etc.
8. Wear ring made out of gold, silver or eight metals.
9. Wear rudraksh string around the neck.
10. Wear kaalsarp yantra around the neck.
11. Observe fast on Naagpanchami, Mahashivratr and if he above measures are taken on either Mahashivratri, Naagpanchami, Monday of Shrawan month or on Somwaari Amavasya then the result is quick and best.

राजयोग नियामक विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, guruji45@live.com
निवेदक : डॉ. पंकज शर्मा, जयपुर

बृहस्पतिधाम जयपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की

झलकियाँ

देवगुरु बृहस्पति की पावन सन्निधि में महंत श्री नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

108 कुण्डीय यज्ञ हेतु प्रस्थान से पूर्व बृहस्पतिधाम में गजराज पूजन करते हुए महंत नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

राजयोग नियामक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : नीरज महाजन, दिल्ली

बृहस्पतिधाम जयपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

परम पूज्य संत 1008 श्री नारायण दास जी महाराज, त्रिवेणीधाम, का बृहस्पति दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान करते हुए महंत नरेंद्र जी 'गुरुजी'

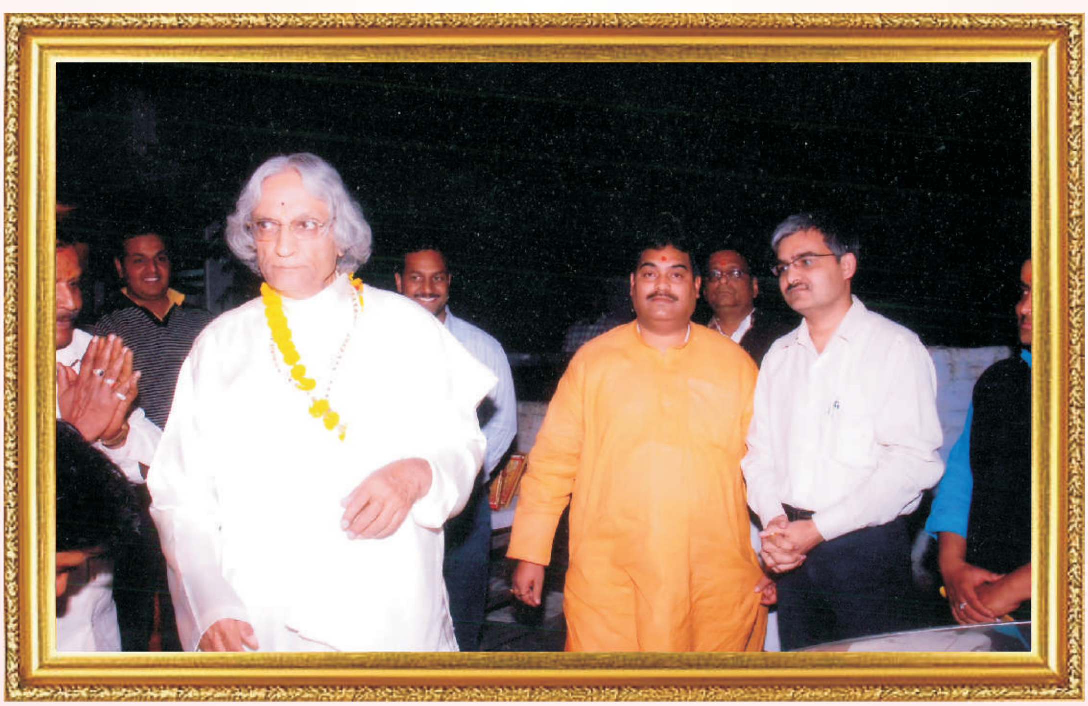

बृहस्पतिधाम में महंत नरेन्द्र जी के साथ परम पूज्य आचार्य स्वामी श्री धर्मेंद्र जी महाराज

सुख-शांति दायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : राजवीर सिंह, जयपुर

बृहस्पतिधाम जयपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

माननीय श्री बृजकिशोर जी शर्मा मंत्री राजस्थान सरकार बृहस्पतिधाम के महंत नरेन्द्र जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए

माननीय श्री घनश्याम तिवाड़ी जी का बृहस्पति दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत करते हुए महंत नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

सम्मान-समृद्धि दाता विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : डी. पी. सोलंकी, 9414223923

बृहस्पतिधाम जयपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

बृहस्पतिधाम का दृश्य

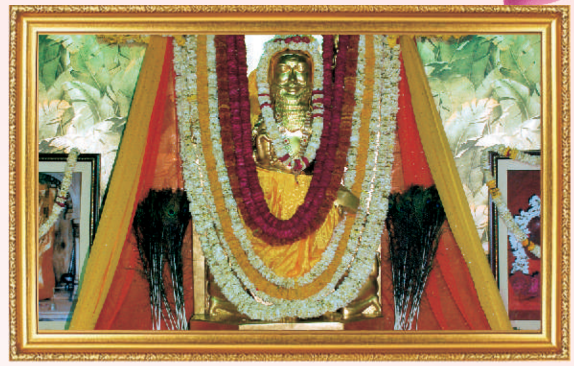

देवगुरु बृहस्पति की भव्य झाँकी

108 कुण्डीय यज्ञ से पूर्व 45 दिवसीय अन्न त्याग तपस्या के पश्चात्
संकल्प लेते हुए महंत श्री नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

भव्य कलश यात्रा हेतु महिलाएँ कलश लेते हुए

108 कुण्डीय यज्ञ से पूर्व विशाल कलश यात्रा

108 कुण्डीय यज्ञ स्थल की ओर जाती कलश यात्रा का विहंगम दृश्य

108 कुण्डीय यज्ञ मण्डप पर कलश लेकर पहुँचती हुई महिलाएँ

108 कुण्डीय यज्ञारम्भ पर पूजा करते हुए महंत श्री नरेन्द्र जी

व्यापार-धन प्रदाता विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : डॉ. एस. के. दत्ता, गुड़गाँव एवं डॉ. एच. के. दत्ता, गुड़गाँव

बृहस्पतिधाम जयपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

महंत श्री नरेन्द्र जी से आशीर्वाद लेते हुए प्रसिद्ध गीतकार, संगीतकार एवं गायक श्री राजेन्द्र जैन

108 कुण्डीय विशाल यज्ञ मण्डप में आहुतियाँ देते हुए यजमान

बृहस्पतिधाम में भजन संध्या में भजन प्रस्तुत करते हुए गायक श्री राजेन्द्र जैन

देवगुरु बृहस्पति का महामस्तकाभिषेक

अनेक धर्माचार्यों के साथ महंत श्री नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

विद्या के देव श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : अजय विजय, रिंकी विजय, जयपुर

बृहस्पतिधाम जयपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

बृहस्पतिधाम के महंत श्री नरेन्द्र जी सपत्निक देवगुरु का मस्तकाभिषेक करते हुए

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरुदीक्षा लेते हुए भक्तजन

महंत श्री नरेन्द्र जी से भक्तगण आशीर्वाद लेते हुए

भक्तजन महंत दम्पति से आशीर्वाद ग्रहण करते हुए

देवगुरु बृहस्पति के महामस्तकाभिषेक हेतु जलपात्र सौंपते हुए भक्तजन

देवगुरु बृहस्पति के महामस्तकाभिषेक हेतु जलपात्र को सौंपते हुए भक्तजन

देवगुरु बृहस्पति के महामस्तकाभिषेक हेतु जलपात्र को सौंपते हुए भक्तजन

विष्णु सहस्रनाम यज्ञ में आहुति देते हुए महंत श्री नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

विवाह संतान फलदायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : अनिल कुमार डागा, जयपुर

बृहस्पतिधाम जयपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

विष्णु सहस्रनाम यज्ञ में आहुतियाँ देते हुए भक्तजन

विष्णु सहस्रनाम यज्ञ की पूर्णाहुति करते हुए महंत श्री नरेन्द्र जी एवं भक्तजन

विष्णु सहस्रनाम यज्ञ की पूर्णाहुति करते हुए महंत श्री नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

मंत्रोच्चार करते हुए

महंत श्री नरेन्द्र जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए भक्तजन

आशीर्वचन देते हुए महन्त नरेन्द्र जी 'गुरुजी'

देवगुरु बृहस्पतिधाम स्थित धनेश्वर महादेव मन्दिर में जलाभिषेक हेतु जाते हुए कावड़ यात्री

देवगुरु बृहस्पतिधाम स्थित धनेश्वर महादेव मन्दिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हुए कावड़ यात्री

सम्मान-समृद्धि दाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : विनोद कुमार शर्मा, एडवोकेट, दिल्ली

राशिफल 2013

पं. अखिलेश शर्मा

ज्योतिषाचार्य, एम.ए.

यह राशिफल गोचर ग्रह स्थिति के अनुसार है।

मेष (एरिस) - (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ)

जनवरी :- राजकीय कार्यों में बाधा व शत्रु पक्ष से परेशानी के साथ खर्चा बढ़ने से, मन अशांत रह सकता है। वाहन चलाने में सावधानी बरतें व स्त्रियों व शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार में बाधा के साथ लाभ हो सकता है तथा किसी का सहयोग मिलेगा। 1,5,9,12,17,18,25,27,28 तारीखें शुभ फलों में कमी कारक रहेगी।

फरवरी :- यह मास स्वास्थ्य के लिए कष्टकारी है शत्रु से सावधान रहें। व्यापार में लाभ व कारोबार में वृद्धि के योग हैं संतान से सुख मिलेगा। 2,5,6,8,11,13,24 तारीखो में सावधान रहें।

मार्च :- इस मास में मन अशान्त रह सकता है, राजपक्ष में कष्ट व मास मध्य में लाभ के आसार हैं। मन शान्त रखें नहीं तो पारिवारिक लोगों से अनबन हो सकती है। बनते काम रुक सकते हैं। 1, 3, 6, 8, 11, 17, 23, 26 तारीखों में सावधानी बरते।

अप्रेल :- इस मास अपने पराक्रम व पुरुषार्थ में वृद्धि होने से कार्यो में सफलता के साथ लाभ होने के आसार हैं। 1, 5, 9, 11, 15, 18, 20, 25, 28, 29 में मन अशांत रहेगा।

मई :- इस मास में शुभ फलों के साथ व्यापार में वृद्धि व लाभ हो सकता है लाभ के साथ व्यय के योग भी हैं तथा स्त्रीपक्ष से सुख मिलने के आसार है। नये व्यक्तियों से सम्पर्क बनेंगे। 2,6,7,11,15,16,24,25,29 तारीखो में सावधानी बरतें।

जून :- इस मास में व्यय-लाभ समान होने के आसार है शत्रुओं से सावधान रहे। सेहत में गिरावट आ सकती है ता. 2, 3, 8, 12, 13, 21, 22, 29, 30 को मन अशांत रह सकता है।

जुलाई :- इस मास में पारिवारिक विवाद के साथ मन अशान्त रहेगा। खर्चा ज्यादा होने से धन की कमी महसूस होगी। सावधानी से समय व्यतीत करें। ता. 1, 5, 7, 9, 11, 17, 19, 20, 28 में सावधान रहें।

अगस्त :- मन लगाकर काम करने से इस मास अच्छी सफलता मिल सकती है। मानसिक चिंता व दौड़-धूप से मन अशांत रहेगा। मासांत में शुभ फल मिलेंगे ता. 2, 3, 5, 7, 14, 15, 16, 24, 29 में सावधानी बरतें।

सितम्बर :- इस मास में संतान व स्त्री से सुख के साथ कार्यों में सफलता का योग है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। ता. 2, 4, 7, 11, 12, 15, 19, 20, 22, 28, 29, 30 में सावधानी रखें।

अक्टूबर :- इस मास में लाभ के साथ नुकसान का योग है। पारिवारिक विवाद को सुलझाने का प्रयास करें। मित्रों का सहयोग मिलने की सम्भावना है। 1, 2, 7, 8, 15, 17, 25, 26, 28 तारीखों से सावधानी बरतें।

नवम्बर :- इस मास मानसिक चिंता के साथ कार्यो में सफलता मिलने के योग हैं। सेहत नरम रह सकती है। परिवार व संतान पर ध्यान देने की जरूरत है। ता. 3,5,13,14,22,24 में सावधान रहें।

दिसम्बर :- इस मास में धार्मिक कार्यो में धन खर्च होगा। उत्साह बढ़ेगा और परिवार जनों और मित्रों के साथ सम्बन्ध अच्छे होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने के साथ मानसिक शांति मिलेगी। तारीख 2,3,5,7,10,12,20,21,22,30 में सावधान रहें।

वृष (टॉरस) (ई, उ,ए,ओ,वा,वि,बू,बे,वो)

जनवरी :- यह मास आपके लिए मिला-जुला रहेगा शरीर में कष्ट के साथ मन बैचेन रहेगा तथा कोई दुखद समाचार मिल सकते हैं आय से ज्यादा व्यय होगा। ता. 2, 3, 9, 10, 17, 19, 20, 29 को सावधान रहें।

फरवरी :- इस मास में मान-सम्मान में बढ़ोतरी के साथ व्यवसाय में वृद्धि और लाभ के योग बनेंगे। उच्च के शनि होने व राहु के साथ होने से कष्ट के साथ नौकरी में सफलता मिलेगी। ता. 7,9,14,15,16,17,26 में सावधान रहें।

मार्च :- इस मास में मान सम्मान बढ़ेगा और व्यवसाय में वृद्धि के योग बनेंगे। सेहत के साथ मन में उत्साह रहेगा। मासांत ठीक नही है। तारीख 3,6,7,11,14,16,24,25,27 में सावधान रहें।

अप्रेल :- यह मास अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ के आसार हैं तथा खर्च में अधिकता रहेगी, तारीख 1,3,9,11,17,22,30 में सावधान रहें।

मई :- इस मास में यात्रा का योग है। तथा साझेदारों से मन-मुटाव हो सकता है। धार्मिक कार्यो के लिए धन खर्च होगा और सज्जन व्यक्तियों से सम्पर्क होगा। तारीख 3, 8, 10, 17, 18, 27, 29 कष्टदायी है।

जून :- इस मास में कोई शुभ समाचार मिलेगा। संतान और स्त्री से

राजयोग नियामक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : बी. एल. मीना, जयपुर

सुख का योग है इस से मन प्रसन्न रहेगा और मासांत में यात्रा का योग है। तारीख 4,5,7,13,14,15,24,27 में सावधान रहें।

जुलाई :- इस मास में शारीरिक सुख के साथ मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। नये काम कर सकते हैं। शरीर स्वस्थ रहने के साथ मन में उत्साह रहेगा। तारीख 3, 7, 10, 12, 17, 21, 22, 29 को सावधानी के साथ समय व्यतीत करें।

अगस्त :- इस मास में आपको अधिक सफलताएं और मान-सम्मान प्राप्त होगा। पुरुषार्थ में वृद्धि के साथ धन आने का योग भी बनता है। तारीख 1,5,8,9,17,24,26,27 में सावधान रहें।

सितम्बर :- शारीरिक सुख के साथ यह मास आपके लिए शुभ रहेगा। धन लाभ के साथ व्यय भी अधिक होगा। संतान स्त्री से सुख मिलेगा। तारीख 4, 5, 7, 13, 14, 17, 21, 22, 27 को सावधानी बरतें।

अक्टूबर :- इस मास में रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे। नये मित्र बनने के साथ अधिकारियों से संबन्ध अच्छे बनेंगे। तारीख 1, 2,5,7,16,12,19,21,23,27,30 सावधान रहें।

नवम्बर :- यह मास मध्यम फलकारी है। स्वास्थ्य नरम रहने के साथ शत्रु पक्ष हावी रहेगा। अच्छे व्यक्तियों के मिलने से मन में उत्साह बढ़ेगा।

दिसम्बर :- इस मास में शारीरिक पीड़ा के साथ शत्रुओं से पीड़ा पहुँचेगी। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग है। तारीख 4,5,9,11,13,23,24 को सावधानी बरतें।

मिथुन :- (जैमिनी) (क,की,कु,क,ड,छ,के,को,ह)

जनवरी :- यह मास मिला जुला फलकारी है। धन लाभ के साथ व्यय भी होगा। पारिवारिक विवाद से मन अशांत रह सकता है। स्त्री पक्ष से सहयोग मिलेगा। तारीख 4, 5, 13, 21, 23, 30 को सावधान रहें।

फरवरी :- इस मास में आपको व्यापार में लाभ का योग है। परिवार के सहयोग से मन में उत्साह बढ़ेगा और आपका समय फालतू कार्यो में व्यतीत होगा। तारीख 1, 7, 9, 10, 11, 13, 18, 27, 28 को सावधान रहें।

मार्च :- इस मास मान सम्मान के साथ व्यापार में लाभ के योग बनेंगे। संतान के लिए भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है मित्रों का सहयोग मिलेगा। तारीख 1,8,17,19,21,23,28 को सावधान रहें।

अप्रेल :- यह मास आपको शुभ फलदायी होगा। मन की इच्छाऐं पूरी होगी व्यापार में वृद्धि के साथ लाभ के योग बनेंगे। ज्यादा खर्च से मन अशांत रह सकता है। तारीख 4,5,11,14,23,24,27 में सावधान रहें।

मई :- यह मास मिला-जुला रहेगा। शुभफल के साथ अशुभफल भी मिलेंगे। स्त्री से कष्ट हो सकता है। व्यापार में हानि हो सकती है। तारीख 1,2,3,12,19,20,21,27,28,30 में सावधान रहे।

जून :- इस मास में शुभफलों में कमी रहेगी साथ मानसिक चिंताओं के साथ आर्थिक संकट बढ़ेगा। तारीख 1, 3, 7, 8, 17, 18, 24, 25 कष्टकारी है।

जुलाई :- इस मास में यात्रा का योग बनेगा आर्थिक नुकसान हो सकता है मासांत में मन को खुशी मिलेगी तारीख 4,5,14,15,17,24,30 को सावधान रहें।

अगस्त :- इस मास मान सम्मान बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के आसार हैं। तारीख 1, 2, 3, 9, 10, 11, 12, 20, 22, 29 को सावधान रहें।

सितम्बर :- इस मास में शुभफलों की कमी रहेगी अधूरे कार्य पूरे होंगे। मेहनत से सफलता मिलती नजर आयेगी। तारीख 1,7,8,15,16,21,25,26 को सावधान रहें।

अक्टूबर :- यह मास मिला-जुला फलदायी रहेगा कार्य में सफलता कठिनाई से मिलेगी। पारिवारिक व्यक्तियों से मन-मुटाव हो सकता है। तारीख 4,5,13,14,23,24,27,31 में सावधानी रखें।

नवम्बर :- यह मास शुभ फलदायी होगा। मान सम्मान में बढ़ोतरी के साथ व्यापार में लाभ के योग हैं। स्त्री सुख मिलेगा। यात्रा का योग है तथा धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी। तारीख 1,2,9,10,19,27,28,29,30 में सावधान रहें।

दिसम्बर :- इस मास में खर्च की अधिकता से मानसिक अशांति रहेगी। व्यापार में मिला जुला लाभ-हानि होगी। विद्यार्थी अध्ययन पर ध्यान दें। तारीख 1, 3, 6, 11, 15, 16, 27 कष्टदायी है।

कर्क (कैंसर) (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)

जनवरी :- इस मास में शारीरिक कष्ट के साथ व्यापार काम धन्धे में नुकसान होगा पारिवारिक जनों के सहयोग से सुख मिलेगा। और मासांत लाभ के आसार बनेंगे। तारीख 3, 6, 7, 11, 14, 24, 29 को सावधान रहें।

फरवरी :- मासांत में यात्रा का योग बनेगा तथा व्यापार में लाभ होने के आसार है। धार्मिक कार्यों में रुचि के साथ मन में उत्साह बढ़ेगा। तारीख 2, 4, 11, 17, 20, 22, 29 कष्टकारी है।

मार्च :- यह मास आपके लिए मिला-जुला फल दायी है। सेहत ठीक रहने से उत्साह में वृद्धि होगी। और भाई बन्धुओं का सहयोग मिलेगा। संतान के लिए चिंता रहेगी। तारीख 2, 3, 11, 20, 21, 30 कष्टदायी है।

अप्रेल :- इस मास व्यापार में वृद्धि के साथ मानसिक अशान्ति रहेगी। व्यापार में लाभ के साथ खर्च भी होगा शत्रु पक्ष कमजोर होगा। तारीख 1,6,8,16,25,28 कष्टप्रद है।

सुख-शांति दायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : एस. के. अजमेरा, जयपुर

मई :- इस मास में शारीरिक पीड़ा के साथ मन अशान्त रहेगा। पारिवारिक जनों से सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ के साथ व्यय भी होगा। तारीख 1, 4, 6, 13, 14, 15, 24, 27, 31 को सावधान रहें।

जून :- इस मास में खर्च अधिक होने से मानसिक अशान्ति रहेगी। धर्म में रूचि कम होने से पारिवारिक लोग नाराज होंगे। किन्तु स्त्री का सुख मिलेगा। तारीख 1, 9, 10, 19, 20, 22, 25, 28 को सावधान रहें।

जुलाई :- इस मास में भाग-दौड़ के साथ शारीरिक कष्ट, सिर मे पीड़ा रह सकती है। संतान व स्त्री सुख मिलने से मन शान्त रहेगा। तारीख 3, 5, 7, 8, 11, 13, 16, 17, 25, 26 में सावधान रहें।

अगस्त :- यह मास शुभफल दायी है। इसमें सुखप्रद समाचार मिलने के साथ स्त्री सुख की प्राप्ति होगी। व्यापार में धन लाभ हो सकता है। तारीख 1, 3, 7, 14, 21, 22, 30, 31 को सावधान रहें।

सितम्बर :- इस मास मान-सम्मान में बढ़ोतरी के साथ पारिवारिक जनों के साथ सम्बन्ध मधुर रहेंगे। सेहत खराब हो सकती है। धन लाभ होगा। तारीख 1, 9, 10, 13, 14, 17, 18, 20, 27, 29 में सावधान रहें।

अक्टूबर :- इस मास व्यापार में वृद्धि के साथ लाभ के योग बनेंगे। स्त्रियों के लिए समय अच्छा रहेगा। नये मित्र बनेंगे। तारीख 6,7,11,15,16,19,24,25,29 में सावधान रहें।

नवम्बर :- यह मास अत्यन्त फलदायी होगा व्यापार में लाभ के साथ मन में उत्साह का संचार होगा। स्त्री से सुख मिलेगा। तारीख 2,4,11,12,21,22,30 को सावधान रहें।

दिसम्बर :- यह मास मिला-जुला बीतेगा। स्त्री सुख के साथ संतान से मतभेद हो सकते है। शत्रु प्रबल होंगे। तारीख 1,8,9,18,19,28,29,31 में सावधान रहें।

सिंह (लियो) (म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

जनवरी :- यह मास आपके लिए शुभदायक होगा। कारोबार-सेहत, आर्थिक दृष्टि से बहुत अच्छा रहेगा। पारिवारिकजनों से सम्बन्ध मधुर रहेंगे तथा उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। तारीख 1, 3, 5, 8, 10, 16, 17, 21, 26, 27, 28 तारीख सामान्य है।

फरवरी :- यह मास आपके लिए मिला-जुला रहेगा। मन अशांत रह सकता है तथा मासांत में आर्थिक लाभ के आसार हैं। शत्रुपक्ष के कमजोर होने की सम्भावना के साथ लाभ होने के आसार हैं। तारीख 1,2,4,6,13,14,24,27,29 को सावधानी बरतें।

मार्च :- यह मास प्रारम्भ में सामान्य रहेगा तथा स्वास्थ्य में गडबड़ी के साथ आर्थिक नुकसान हो सकता है। मासांत में धनलाभ के योग बनते हैं। नौकरी मे प्रगति के योग हैं। तारीख 2,5,13,14,21,22,31 सामान्य हैं।

अप्रेल :- इस मास में मान-साम्मान बढ़ेगा तथा व्यापार में वृद्धि के प्रयास करें। मासांत में व्यय ज्यादा होने से मन अशांत रहेगा। तारीख 1,3,7,9,10,17,18,21,25,27,28 में सावधान रहें।

मई :- इस मास में व्यापार व नौकरी में आर्थिक लाभ होने के साथ वृद्धि के योग हैं। शत्रु पक्ष से सावधान रहते हुए सेहत का ध्यान रखें। मन अशांत रह सकता है। तारीख 1,4,6,17,25 में सावधान रहें।

जून :- शारीरिक विकास के कारण मन अशांत रह सकता है। व्यापार में आंशिक लाभ के योग बनते हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। तारीख 3,12,22,29,30 सामान्य है।

जुलाई :- यह मास सफलता का है। इसलिए कम प्रयासों से अधिक सफलता मिल सकती है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। तारीख 1,5,9,11,20,27,28,29 सावधान रहें।

अगस्त :- धन खर्च के कारण यह मास आपके मन को अशांत रखेगा। शारीरिक दृष्टि से यह समय अच्छा नहीं है। दौड़-धूप हो सकती है। तारीख 6,7,13,15,23,24,27 सामान्य रहेंगी।

सितम्बर :- यह मास सामान्य रहने के साथ सेहत के लिए ठीक नहीं है। कारोबार में सोच समझ कर निवेश करें। आर्थिक नुकसान हो सकता है। तारीख 2,4,11,13,19,21,30 सावधानी रखें।

अक्टूबर :- इस मास में आर्थिक लाभ के साथ यात्रा का योग भी बनता है। मन प्रसन्न रहने से पारिवारिक वातावरण में खुशी का माहौल रहेगा। संबन्धियों से सहयोग प्राप्त होगा। तारीख 1,7,8,9,13,17,27,28,29 सामान्य हैं।

नवम्बर :- महिलाओं के लिए यह माह शुभकारी है। कार्य में सफलता मिल सकती है स्त्री-संतान से सुख मिलेगा। तारीख 1,3,5,14,24,29 सामान्य है।

दिसम्बर :- राजपक्ष में सफलता के साथ मान सम्मान प्राप्त होगा। लाभ के साथ व्यय का भी योग बनता है। नौकरी में पदोन्नति के योग बनते हैं। तारीख 3, 7, 10, 11, 22, 28, 30, 31 सामान्य हैं।

कन्या (विर्गो) (टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो)

जनवरी :- स्त्री पक्ष से लाभ के साथ इस मास में कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सेहत में गिरावट के साथ मन अशांत रहेगा। संतान से सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। तारीख 1,3,10,13,17,19,30 सामान्य हैं।

फरवरी :- यह मास मिला-जुला रहेगा। सेहत में गिरावट के साथ आर्थिक नुकसान होने का डर है। यात्रा योग है। नये व्यक्तियों से सम्पर्क बनेंगे। तारीख 3,7,8,16,19,25,27 में सावधानी रखें।

विवाह संतान फलदायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : पी. आर. शर्मा

मार्च :- यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा। बुध कमजोर होने से यह मास मिला-जुला फलदायी है। नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना है। तारीख 6,7,15,18,24,26,27 में सावधान रहें।

अप्रेल :- इस मास में मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। संतान व स्त्री सुख प्राप्त होगा। व्यावसाय में लाभ हो सकता है। क्रोध पर नियन्त्रण रखें। तारीख 1,35,7,11,21,29,30 सामान्य है।

मई :- यह मास आपके लिए धर्म में रुचि बढ़ाने वाला है। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। शत्रुपक्ष कमजोर होगा और मान-सम्मान में वृद्धि होने के आसार हैं। तारीख 3, 8, 9, 10, 17, 18, 27, 29 शांत रहें।

जून :- मास प्रारम्भ में सेहत में गिरावट के साथ आर्थिक नुकसान और पारिवारिक समस्या हो सकती है। मासांत में लाभ के साथ कार्य बनते जायेंगे।

जुलाई :- इस मास मान-सम्मान बढ़ने के साथ मांगलिक कार्यों में रुचि रहेगी और पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा है। सेहत नरम रह सकती है। तारीख 3,7,12,13,22,29 को सावधान रहें।

अगस्त :- इस मास यात्रा का योग बनने के साथ खर्च की अधिकता बनेगी. जिससे मन अशांत रह सकता है। व्यापार में लाभ होने के आसार हैं। स्त्रियों के लिए समय उत्तम है। तारीख 7,9,17,19,25,27,29 कष्ट प्रद हैं।

सितम्बर :- स्वास्थ्य उत्तम रहने के साथ यह मास आपके लिए शुभकारी है। व्यापार में लाभ, नौकरी में उन्नति का योग बनता है। तारीख 5,6,14,22,24,25,27,29 कष्ट प्रद हैं।

अक्टूबर :- मास सामान्य रहने के साथ दौड-धूप वाला है। राजपक्ष से सावधान रहें। पारिवारिक वातावरण अच्छा रहने से मासांत में मन को शान्ति मिलेगी। तारीख 2, 3, 7, 10, 11, 13, 15, 20, 25, 29 सावधान रहें।

नवम्बर :- इस मास में स्वास्थ्य नरम रहेगा। मास प्रारम्भ में मानसिक अशांति के साथ परिवार जनों से अनबन रह सकती है। मासांत में समय अच्छा व्यतीत होगा। तारीख 1, 3, 7, 8, 9, 11, 15, 16, 26, 27, 29 कष्टप्रद हैं।

दिसम्बर :- यह मास आपके लिए मिला जुला फलकारी होगा। व्यापार में लाभ होगा तथा नौकरी में उन्नति के योग बनते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि रह सकती है। पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा। तारीख 1,4,5,13,15,24,30 सामान्य रह सकते हैं।

तुला (लिब्रा) (र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते)

जनवरी :- मास प्रारम्भ में कष्टों के साथ सेहत नरम रहेगी। व्यापार सामान्य रह सकता है। पारिवारिक व्यक्ति के सहयोग से मन में उत्साह रहेगा। तारीख 5,12,15,20,21,23,31 को सावधान रहें।

फरवरी :- इस मास मे परेशानियाँ ज्यादा रह सकती है, परिवार व मित्रों से विवाद हो सकता है। मासांत में आर्थिक लाभ होगा। तारीख 7,9,18,22,27,28 में सावधान रहें।

मार्च :- यह मास आपके लिए शुभ फलकारी है। व्यापार व नौकरी में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहने के साथ परिजनों से सहयोग प्राप्त होगा। स्त्री संतान सुख योग हैं। तारीख 1,3,8,17,18,19,21,25,27,28 में सावधान रहें।

अप्रेल :- यह मास मान-सम्मान के साथ सेहत के लिए भी ठीक है, व्यापार व नौकरी मे लाभ व वृद्धि के योग बनते हैं। परिजनों के साथ अच्छा माहौल रहेगा। तारीख 1, 4, 7, 9, 13, 14, 23, 24 में सावधान रहें।

मई :- यह मास सामान्य रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। मन अशांत रह सकता है। नौकरी में परिवर्तन का योग बनता है। तारीख 1,2,3,8,7,11,21,22,25,29,30 में सावधान रहें।

जून :- यह मास प्रारम्भ में फलकारी और शुभदायक है। परिजनों से सहयोग के कारण मन प्रसन्न रहेगा। मासांत कष्टप्रद बीतेगा। तारीख 7,8,17,26,27,29 में सावधान रहें।

जुलाई :- इस मास में संयम व धीरज रखने से सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। रुके हुए कार्य पूरे होने की सम्भावना है। स्त्री सुख व संतान का सहयोग मिलेगा। तारीख 4,5,6,8,10,14,23,24 में सावधान रहें।

अगस्त :- इस मास स्वास्थ्य नरम रहने से मन अशांत रह सकता है। आय की अपेक्षा व्यय ज्यादा होने की सम्भावना है। परिजनों से सहयोग मिलेगा। तारीख 1,3,5,9,10,11,12,20,28,30 में सावधानी रखें।

सितम्बर :- परिश्रम करने से सफलता मिलने की सम्भावना है। सेहत ठीक रहेगी। पारिवारिक वातावरण में अशान्ति का माहौल रह सकता है। मासांत में अशुभ फल मिल सकते हैं। तारीख 7,8,16,24,27 में सावधान रहें।

अक्टूबर :- कारोबार में लाभ के योग बनेंगे। नौकरी में तरक्की हो सकती है। शत्रु पक्ष कमजोर होगा सेहत ठीक रहेगी। तारीख 5,13,14,16,17,21,24,31 में सावधान रहें।

नवम्बर :- यह समय सपनों को पूरा करने का है। कुछ प्रयास से ही कार्य में सफलता मिलने के आसार हैं। तारीख 1, 2, 3, 10, 15, 18, 19, 21, 22, 24, 28, 29 में सावधान रहें।

दिसम्बर :- दौड धूप की अधिकता रहेगी पर मासांत में सभी कार्य बनते जायेंगे। तारीख 6, 7, 10, 13, 15, 16, 21, 25, 26, 27 में

विद्या के देव श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : कपिल सोनी, जयपुर

सावधान रहें।

वृश्चिक (स्कॉर्पियो) (तो,न,नी,नू,नेनो,या,यी,यू,)

जनवरी :- यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा, मिला जुला फलकारी है। शत्रु हानि पहुँचा सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें, खर्चा हो सकता है। तारीख 1, 3, 6, 7, 10, 14, 15, 24, 25, 29 में सावधान रहें।

फरवरी :- स्वास्थ्य में सुधार के साथ मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में आर्थिक लाभ के साथ कारोबार में वृद्धि के योग बनते हैं। तारीख 2,4,11,12,21,22,24,27,29 सावधानी से व्यतीत करें।

मार्च :- यह मास मिला-जुला लाभकारी होगा। मासारम्भ में पीड़ा के साथ सेहत में गिरावट रह सकती है। मासांत में सुधार होता जायेगा। तारीख 3, 5, 7, 10, 11, 20, 21, 29 में सावधानी बरतें।

अप्रेल :- कारोबार में आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। सेहत में सुधार के साथ मन में उत्साह से सभी कार्य पूर्ण करेंगे। यात्रा की सम्भावना है। तारीख 1,3,6,7,16,17,26 में सावधान रहें।

मई :- यह मास यात्रा के साथ सेहत में गिरावट लायेगा। पारिवारिक व्यक्तियों से मन-मुटाव हो सकता है। शत्रुपक्ष हावी हो सकता है। मासांत ठीक है। तारीख 1, 4, 5, 14, 24, 31 में सावधानी बरतें।

जून :- यह मास प्रारम्भ में सामान्य रहेगा। सेहत, कारोबार में गिरावट के साथ दौड़-धूप के साथ यह समय कष्ट कारक रहेगा। मासांत में आर्थिक लाभ होने के आसार हैं। तारीख 1,5,9,11,19,20,27,29 में सावधानी बरतें।

जुलाई :- मास प्रारम्भ में नौकरी में उन्नति के योग बनते हैं। व्यापार में लाभ भी हो सकता है। सुख प्राप्त होगा। सेहत में सुधार होगा। तारीख 6,7,15,16,17,18,25,26,29 में सावधान रहें।

अगस्त :- इस मास छोटी यात्राओं के साथ कारोबार के लिए वृद्धि के योग बनते हैं। मन प्रसन्न रहने से सभी कार्यो के परिणाम अच्छे होते नजर आयेंगे। तारीख 4, 7, 12, 13, 14, 20, 21, 22, 30 में सावधानी बरतें।

सितम्बर :- यह मास आपके लिए शुभफलदायी होगा। आर्थिक दृष्टि से यह समय अति उत्तम है। आर्थिक लाभ भी होगा। सेहत ठीक रहने से सभी कार्य ठीक होंगे। तारीख 1,7,9,10,17,18,19,26,29 में सावधान रहें।

अक्टूबर :- यह मास उन्नति के लिए है। सही कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी। आर्थिक लाभ हो सकता है। यश व कीर्ति में वृद्धि हो सकती है। तारीख 1, 3, 6, 7, 15, 24, 25, 30 में सावधान रहें।

नवम्बर :- क्रोध करने से सब काम बिगड़ेंगे तथा आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। तारीख 2, 3, 4, 11, 20, 21, 22, 30 सामान्य हैं।

दिसम्बर :- खराब सेहत के साथ यह मास आपके लिए सामान्य है, कारोबार में आर्थिक नुकसान हो सकता है। मन अशांत हो सकता है। तारीख 1,5,8,17,18,27,28,29 में सावधानी बरतें।

धनु (सैजिटेरियस) (ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)

जनवरी :- सेहत सामान्य रहने के साथ भाई-बन्धुओं से अनबन रह सकती है। अचानक धन लाभ हो सकता है। कारोबार में समय पर निवेश करें। तारीख 1, 7, 8, 9, 16, 17, 19, 23, 25, 27, 28 को सावधानी बरतें।

फरवरी :- मास प्रारम्भ में आर्थिक नुकसान हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें। मासांत कारोबार में आर्थिक लाभ होगा। यात्रा योग है। तारीख 5,6,13,14,24,28 सावधानी बरतें।

मार्च :- यह मास सामान्य रहेगा। क्रोध से बचेंगे तो नुकसान कम होगा। परिजनों से सयंम से रिश्ते निभाये तो अच्छा रहेगा। मासांत आय-व्यय बराबर रहेगा। तारीख 4, 5, 13, 14, 22, 23, 31 सावधानी बरतें।

अप्रेल :- यह समय युवाओं के लिए मेहनत से सफलता प्राप्त करने का है। आर्थिक लाभ हो सकता है। स्त्री से सम्बन्ध सामान्य रहेगा। तारीख 1, 7, 9, 10, 18, 20, 27, 28 सावधानी से समय व्यतीत करें।

मई :- यह मास आपके लिए मिला-जुला रहेगा। मास प्रारम्भ में सभी कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ होगा। संतान व स्त्री से सुख प्राप्त होगा। तारीख 1,6,7,17,25,26 सावधानी बरतें।

जून :- इस मास में ग्रह पीड़ा रह सकती है। परिजन से कारोबार में वृद्धि के योग बनते हैं। आय से अधिक व्यय होने से मन खिन्न रहेगा। तारीख 2,3,9,11,12,21,29,30 कष्ट प्रद हैं।

जुलाई :- मास प्रारम्भ में सेहत में गिरावट के साथ शारीरिक श्रम करना पड़ेगा। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बनते हैं। कारोबार में आर्थिक लाभ होगा। तारीख 1,9,11,19,20,25,29 को सावधनी बरतें।

अगस्त :- इस मास में चोट लगने की संभावना बनती है। संभल कर वाहन चलायें। मन अशांत रहने से सुस्ती आ सकती है। मासांत में आर्थिक लाभ व पारिवारिक काम होने की सम्भावना है। तारीख 5,6,15,16,23,24,29 सावधानी बरतें।

सितम्बर :- यह मास सामान्य फल कारी रहेगा। क्रोध पर संयम रखें, नहीं तो नुकसान हो सकता है। व्यापार में साधारण लाभ हो सकता है। तारीख 1,3,11,12,20,21,27,28,29 सावधानी बरतें।

व्यापार-धन प्रदाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : तरुण ज्ञानानी, जयपुर (सांगानेर), 9799452105

अक्टूबर :- मास प्रारम्भ परिजनों से सहयोग मिलने से रुके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ के योग हैं। क्रोध पर नियन्त्रण रखें नहीं तो नुकसान उठाना पड़ सकता है। तारीख 1,5,8,9,17,18,19,26,27,28 को सावधानी बरतें।

नवम्बर :- यह मास आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। सेहत का ध्यान रखें। आर्थिक लाभ कम होने से मन खिन्न रह सकता है। तारीख 1,5,6,13,14,15,16,24,27 को सावधानी बरतें।

दिसम्बर :- इस मास में मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी के साथ यश व कीर्ति में वृद्धि होगी। मनोबल ऊँचा होने से सभी कार्य बनते जायेंगे। तारीख 2,3,10,12,20,21,22,30,31 को सावधानी बरतें।

मकर (कैप्रिकार्न) (भो, ज, जी, जू, जे, जो, ख, खी, खू, खो, ग, गी)

जनवरी :- मास प्रारम्भ में परेशानियों के साथ हानि होने का डर भी है। आर्थिक लाभ के साथ उन्नति होने के आसार हैं। यात्रा योग बनता है। तारीख 1,3,10,11,19,20,29,30 सावधानी बरतें।

फरवरी :- यह मास सामान्य रहेगा। दौड़-धूप के साथ सेहत का ध्यान रखें। चोट लगने की सम्भावना है। पारिवारिक विवाद से बचें। तारीख 4,7,8,15,16,17,25,26,29 सावधानी से व्यतीत करें।

मार्च :- यह मास अत्यन्त लाभकारी है। सभी कार्य पूर्ण होंगे। शुभकार्यों में धन खर्च होगा। कारोबार में वृद्धि के साथ लाभ के आसार हैं। स्त्री सुख मिलेगा शत्रु पक्ष कमजोर होगा। मित्रों से सावधान रहें। तारीख 1,6,7,14,16,25,28 सावधानी से व्यतीत करें।

अप्रेल :- यह मास शुभकारी है। कार्यों के पूर्ण होने से मन प्रसन्न होगा और परिजनों का पूर्ण सहयोग रहेगा। मासांत में थोड़ा कष्ट हो सकता है। तारीख 2, 3, 5, 7, 11, 12, 21, 22, 29, 30 सावधानी से व्यतीत करें।

मई :- मास प्रारम्भ में कठिनाई के साथ मन अशांत रहेगा। शत्रु पक्ष हावी होगा। धन जोड़ने का प्रयास करें। मासांत में मान प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। तारीख 5, 8, 10, 17, 18, 19, 28 कष्टदायी हैं।

जून :- यह मास मान-सम्मान बढ़ाने वाला है। आर्थिक लाभ होने से धार्मिक कार्यो में धन व्यय होगा। सेहत में सुधार होने से मन प्रसन्न होगा। तारीख 4,5,6,14,16,23,24 कष्टप्रद हैं।

जुलाई :- यह मास आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ व व्यय समान रहेगा, भूमि सम्बंधी विवाद हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें। तारीख 2,3,12,13,22,29,30 कष्टप्रद हैं।

अगस्त :- मास प्रारम्भ में दौड़-धूप ज्यादा हो सकती है। सेहत सम्बन्धी ध्यान रखें। मासांत मे सुख का अनुभव करेंगे। तारीख 2,3,12,13,22,29,30 कष्टप्रद हैं।

सितम्बर :- यह मास शुभ फलकारी रहेगा। मास प्रारम्भ में कुछ अशांति हो सकती है। मासांत में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सभी कार्य पूरे होंगे। तारीख 4,5,6,13,24,25,29 कष्टप्रद हैं।

अक्टूबर :- मास प्रारम्भ में परेशानी के साथ सेहत में गिरावट आ सकती है। चिंता से मन अशांत रहेगा। मासांत में व्यापार में लाभ के साथ वृद्धि के योग हैं। तारीख 2, 3, 10, 11, 15, 19, 22, 29, 30 सामान्य हैं।

नवम्बर :- यह मास आपके लिए मिला-जुला रहेगा। प्रारम्भ में कठिनाईयाँ आयेंगी। मासांत में यश और कीर्ति में वृद्धि के योग बनेंगे। स्त्री से कष्ट हो सकता है। तारीख 7, 8, 15, 16, 17, 26, 27, 29 कष्टप्रद हैं।

दिसम्बर :- यह मास सामान्य जायेगा। आर्थिक नुकसान के साथ शारीरिक कष्ट हो सकते हैं। स्त्री व संतान का सुख मध्यम रहेगा। तारीख 4,5,13,15,23,24 कष्टप्रद हैं।

कुम्भ (एक्वेरियस) (गु,गे,गो,सा,सो,सु,से,सो,द)

जनवरी :- जनवरी मास आपके लिए सामान्य होगा। मास प्रारम्भ में कारोबार में लाभ के साथ वृद्धि हो सकती है। अकस्मात् धन हानि के योग भी बने हैं। लाभ के साथ खर्चा भी होगा। पारिवारिक लोगों से सबन्ध बिगड़ सकते हैं। मासांत लाभ के आसार हैं। तारीख 5,7,9,12,13,21,22,29,31 कष्टप्रद हैं।

फरवरी :- मास प्रारम्भ में शनि-राहु का मेल हानि प्रद है। धन लाभ का योग भी बनता है। प्रियजनों से सम्बन्ध मधुर होंगे। कुछ तनाव रह सकता है। मासांत समय ठीक जायेगा। तारीख 2,9,10,15,18,19,20,27,28 सावधानी से रहें।

मार्च :- इस मास में स्वास्थ्य सम्बन्धी विकार हो सकता है। सिर व नेत्र में पीडा हो सकती है। शत्रुपक्ष बलवान हो सकता है। स्त्री को कष्ट व पीड़ा हो सकती है। मासांत सावधानी से समय व्यतीत करें। तारीख 1,7,8,9,15,16,17,19,27,28 कष्टप्रद हैं।

अप्रेल :- यात्रा का योग है। मास प्रारम्भ में कठिनाई आ सकती है। कारोबार में लाभ के साथ वृद्धि के आसार दिखते है। मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। तारीख 1, 4, 5, 7, 9, 11, 13, 15, 23, 24 कष्टप्रद हैं।

मई :- सेहत में गिरावट आ सकती है, क्रोध पर नियन्त्रण रखेंगे तो मन शांत रहेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। तारीख 1,3,11,12,20,22,29 कष्टप्रद हैं।

जून :- मास प्रारम्भ में अच्छे परिणाम मिलेंगे। दौड़-धूप हो सकती

राजयोग नियामक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : डॉ. धूप सिंह पूनिया

है। सेहत का ध्यान रखते हुए कार्य करें। आर्थिक संकट हो सकता है। तारीख 5,7,8,17,18,25,26,29 कष्टप्रद हैं।

जुलाई :- इस मास में मिला-जुला फल मिलेगा। आर्थिक लाभ के साथ व्यय भी अधिक होगा जिससे मन अशांत होगा। प्रियजनों के मिलने से राहत महसूस करेंगे और मानसिक शान्ति मिलेगी। शत्रुपक्ष से बचकर चलें। तारीख 4,5,7,9,14,23,26,27,31 सावधानी रखें।

अगस्त :- कारोबार में वृद्धि के साथ आत्मबल में भी वृद्धि होगी जिससे कारोबार में निवेश करेंगे तो आर्थिक सुदृढ़ता प्राप्त होगी। स्त्री, संतान से सुख मिलेगा। तारीख 1, 2, 7, 9, 10, 12, 19, 22, 25, 29 श्रेष्ठ नहीं हैं।

सितम्बर :- इस मास मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक लाभ के साथ व्यापार में वृद्धि के योग हैं। प्रियजनों से सहयोग मिल सकता है। स्त्री सुख के साथ मन में प्रसन्नता रह सकती है। तारीख 7,8,18,25,26,27,29 सामान्य रहेंगी।

अक्टूबर :- सेहत में सुधार रहने से धार्मिक कार्यों में रुचि रह सकती है। शत्रुपक्ष कमजोर होगा। जिससे पराक्रम में वृद्धि होगी। तारीख 4,5,7,9,11,13,21,23,30 कष्टप्रद हैं।

नवम्बर :- नौकरी मे तरक्की के साथ लाभ की प्राप्ति हो सकती है। अधिकारियों से सम्बन्ध अच्छे रहेंगे। व्यापार में लाभ होगा तथा मान-सम्मान में वृद्धि के योग हैं। सेहत सुधरेगी। तारीख 2,9,11,17,19,29 कष्टप्रद हैं।

दिसम्बर :- यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। स्वास्थ्य खराब रहने से मन अशांत रहेगा। खर्चा बढ़ सकता है। तारीख 3,5,7,14,15,24,25,26 सामान्य हैं।

मीन (पीसेस) (दी,दू,थ,झ,दे,दो,च,चा,चो)

जनवरी :- उच्चस्थ शनि व मंगल लाभकारी होने के साथ समृद्धि व मान-सम्मान दिलायेंगे। मासांत समय सामान्य रहेगा। संतान के विषय में चिंतित रहेंगे तथा स्त्री के सहयोग से मनोबल में बढ़ोतरी होगी। तारीख 5,6,7,14,24,25 कष्टप्रद हैं।

फरवरी :- मास प्रारम्भ में सेहत में गिरावट के साथ शत्रु भय बना रहेगा। प्रियजनों का सहयोग प्राप्त होने से मनोबल में वृद्धि होगी। मासांत में धन लाभ व विद्यार्थीयों को विद्या लाभ होगा। कारोबार में वृद्धि के आसार हैं। तारीख 1, 3, 4, 9, 11, 12, 20, 22 सामान्य रहेंगी।

मार्च :- यह समय स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल है। त्वचा सम्बन्धी रोग व कफ-वायु का प्रकोप रह सकता है। आर्थिक नुकसान के योग भी हैं। परिजनों से अनबन रह सकती है। तारीख 3,10,11,19,21,27,29,30 सामान्य रहेंगी।

अप्रेल :- यह मास आपको मिला जुला फलकारी है। कारोबार में वृद्धि के साथ व्यय भी हो सकता है। सेहत का ध्यान रखते हुए समय बितायें। तारीख 6,7,17,25 कष्टप्रद हैं।

मई :- मास प्रारम्भ में कारोबार में रुकावटों के साथ खर्चों की अधिकता रहेगी। मासांत में समय ठीक है। धीरज से कार्य करेंगे तो कार्य पूर्ण होंगे। तारीख 5, 6, 13, 14, 15, 22, 23, 24, 30, 31 कष्टकारी हैं।

जून :- सामान्य रूप से यह मास मिला-जुला फलकारी है। कारोबार में आर्थिक लाभ के साथ सुख-समृद्धि का योग है। धैर्य से समय व्यतीत करें। तारीख 1,2,8,9,10,9,19,20,28 सामान्य हैं।

जुलाई :- मासांत तक समय एक जैसा बना है। संयम में रह कर काम-काज करेंगे तो ठीक रहेगा। प्रियजनों के सहयोग के कारण मन में उत्साह बढ़ेगा। शत्रुपक्ष प्रबल होगा। तारीख 6,7,9,12,16,18,25,27 सामान्य रहेंगी।

अगस्त :- यह मास स्वास्थ्य के लिए ठीक है आर्थिक लाभ के साथ कारोबारियों को धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक वातावरण में अच्छा माहौल रहेगा। स्त्री सुख प्राप्त होगा। तारीख 3,4,11,13,14,21,22,31 सामान्य हैं।

सितम्बर :- इस मास में मानसिक तनाव के साथ मन अशांत रह सकता है। योजनाएँ असफल हो सकती हैं। परिवार में अशांति का माहौल होने से मन में खिन्नता रहेगी। धन सकंट हो सकता है। तारीख 1,3,7,9,17,19,26,27,28 सामान्य हैं।

अक्टूबर - यह मास मिला-जुला फलकारी रहेगा। दौड़-धूप के साथ कष्टप्रद तनाव रह सकता है। संयम व धीरज से समय व्यतीत करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। तारीख 5, 6, 15, 17, 23, 24, 25 को सावधानी बरतें।

नवम्बर :- यह मास सामान्य जायेगा। संयम व धीरज रखने से शान्ति मिलेगी। संतान से कष्ट पहुँच सकता है। प्रियजनों से मतभेद भी हो सकते हैं। समय साधारण है। तारीख 3, 4, 10, 11, 12, 21, 22, 29, 30 सामान्य हैं।

दिसम्बर :- इस मास में व्यापारियों को अधिक आर्थिक लाभ हो सकता है। कारोबारियों को मान-प्रतिष्ठा भी प्राप्त होगी। परिजनों से सहयोग व मेहमानों का आगमन होने से प्रसन्नता होगी। तारीख 1,7,8,17,18,19,21,27,28,29 सामान्य हैं।

सुख-शांति दायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : अमर सिंह, निर्मला कंवर, जयपुर

भक्तों के अनुभव – अद्भुत किन्तु सत्य

जयपुर स्थित देवगुरु श्री बृहस्पति जी की प्रतिमा के दर्शन जब मैंने प्रथम बार किये थे, तब मुझे एक अभूतपूर्व सुखद आनन्द देने वाला अहसास हुआ था, जो प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। स्वर्णिम प्रतिमा के तेज का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता है।

श्री देवगुरु बृहस्पति मन्दिर आने से आरती व उसके पश्चात् होने वाले मन्त्रोच्चार से हमारे मन-मस्तिष्क में एक विशेष ऊर्जा का संचार हुआ है। मन्त्रों से निकली ध्वनि शरीर की कोशिकाओं के संवेगों को ठीक व संतुलित करने में सक्षम महसूस हुई, जो किसी कारणवश अथवा दैनिक दिनचर्या की अनियमितता के कारण अपनी आध्यात्मिक व मानसिक गति और लय खो बैठी थी।

इस मन्दिर में आने से मुझे व परिवार को गुरु व गुरु की महिमा का भान हुआ कि सच्चा व निस्वार्थ गुरु ही अपने शिष्यों को भवसागर पार करने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। यहाँ महन्त गुरुदेव श्री नरेन्द्र शर्मा जी के पावन चरण कमलों पर मस्तक टिकाने पर असीम खुशी व समस्त सुखों की प्राप्ति का एक पल में हुआ अहसास मन व कर्म को प्रफुल्लित कर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की मानसिक शक्ति तत्काल प्रदान करता प्रतीत हुआ है। जिससे मुझे परिवार सहित बड़ा सम्बल प्राप्त हुआ हैं। बच्चों में उत्सुक्ता व अध्ययन शीलता के प्रति एकाग्रता बढ़ी है।

मैने व मेरे परिवार के सदस्यों के साथ अन्य दर्शनार्थियों ने भी देव गुरू बृहस्पति जी की प्रतिमा को हँसते हुए प्रसन्न भाव में देखा है, महसूस किया है। दर्शन करते समय लगता है कि बृहस्पति भगवान हमारी ही तरफ देख रहें है। जब मैं परिजनों के साथ मन्दिर से घर लौटता हूँ तो हमारेवस्त्रों में से एक विशेष खुशबू आती है जो कई दिनों तक रहती है।

''गुणाधीश गुणधारी, कीर्ति सुयश दाता,
आपकी सेवा में जो आवे, वो शुभ फल पाता।''

उक्त पंक्तियों ने मेरे सभी संशय दूर कर शुभ फल की ओर अग्रसर किया, क्योंकि जब व्यक्ति के संशय दूर होने लगते हैं तो सफलता उसके कदम चूमती है। यह सब देवगुरु की कृपा से हुआ है। कुछ भी हो हमारी देवगुरु श्री बृहस्पति जी की स्वर्णिम प्रतिमा को अपलक निहारते रहने की लालसा दिनों दिन बलवती होती जा रही है। मेरा विचार व अहसास यही है कि बृहस्पति धाम आकर मेरा परिवार धन्य हो गया है।

राजीव कुमार सिन्हा (अध्यापक)
वन्दना श्रीवास्तव (अध्यापिका) मानसरोवर, जयपुर

बृहस्पतिधाम स्थित देवगुरु बृहस्पति की महिमा अपरम्पार है। मुझ पर भगवान की इतनी कृपा हुई जिसकी मैं कभी कल्पना भी नहीं कर सकती थी।

मेरी पुत्री संगीता यादव का विवाह तय हो गया था और मेरे व मेरे परिवार के पास रुपये पैसे की कोई व्यवस्था नहीं थी। मैं और मेरा परिवार दिन-रात इसी चिंता में जले जा रहे थे। धीरे-धीरे विवाह का दिन नजदीक आता जा रहा था और हमारी चिंता बढ़ती जा रही थी। ऐसे विकट समय में मैं देवगुरु बृहस्पति से प्रार्थना करने के लिए बृहस्पतिधाम पहुँची और भगवान से हाथ जोड़कर सच्चे मन से प्रार्थना की, माथा टेका कि हे प्रभु मेरी बेटी का विवाह करने में मैं असक्षम हूँ, मुझे सिर्फ आपका ही सहारा है। भगवान मेरी मदद कीजिए।

आपको विश्वास हो या ना हो परन्तु भगवान की अति कृपा से मेरी बेटी के विवाह में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रही। खूब धूमधाम से मेरी बेटी का विवाह हुआ। जो कि मेरे जीवन की आश्चर्यजनक घटना है। यह सब भगवान की परम कृपा से ही संभव हो पाया है। भगवान की कृपा मुझ पर व मेरे परिवार पर इसी तरह सदा बनी रहे। जय बृहस्पति।

मुन्नी देवी, जयपुर

।। जय गुरुदेव।।

मैं देवगुरु बृहस्पतिधाम में देवगुरु के दर्शन करने नियमित रुप से जाती हूँ। बृहस्पति जी के दिव्य स्वरूप के दर्शन से मन को शांति मिलती है। बृहस्पति जी सभी भक्तों पर कृपा करते हैं। मुझ पर देवगुरु बृहस्पति की इतनी कृपा हुई कि मैं एक छोटे से घुटन भरे मकान में जीवन यापन कर रही थी। मैंने देवगुरु बृहस्पति से प्रार्थना कर कहा कि हे! भगवान मुझे भी मेरा एक नया मकान मिल जाए तो बड़ी कृपा हो, भगवान ने मेरी प्रार्थना सुनी और कुछ ही समय पश्चात् मेरा एक मंजिल मकान ही नहीं अपितु तीन मंजिला मकान बन गया इससे बड़ी कृपा भगवान की और क्या हो सकती है। आज मैं सुख से अपने परिवार सहित इस मकान में निवास कर रही हूँ।

निर्मला कंवर, जयपुर

सम्मान-समृद्धि दाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : दिनेश गुप्ता, जयपुर

प्रमुख व्रत, पर्व, दिवस तालिका

जनवरी-2013

अंग्रेजी नववर्ष -2013 प्रा.	1 जन. मंगलवार पौ. कृ. 4
चतुर्थी व्रत	1 जन. मंगलवार पौ. कृ. 4
कालाष्टमी	5 जन. शनिवार पौ. कृ. 8
सफलैकादशी व्रत	8 जन. मंगलवार पौ. कृ. 11
प्रदोष व्रत	9 जन. बुधवार पौ. कृ. 12
देवपितृ कार्याऽमा	11 जन. शुक्रवार पौ. कृ. 30
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12 जन. शनिवार पौ. शु. 1
नया चांद	13 जन. रविवार पौ. शु. 2
पोंगल - मकर संक्रांति	14 जन. सोमवार पौ. शु. 3
विनायक चतुर्थी	15 जन. मंगलवार पौ. शु. 4
अनुरूपा षष्ठी	17 जन. गुरुवार पौ. शु. 6
सप्तमी	18 जन. शुक्रवार पौ. शु. 7
दुर्गाष्टमी	19 जन. शनिवार पौ. शु. 8
पुत्रदैकादशी व्रतम्	22 जन. मंगलवार पौ. शु. 11
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस	23 जन. बुधवार पौ. शु. 12
प्रदोष व्रतम्	24 जन. गुरुवार पौ. शु. 13
भारतीय पर्यटन दिवस	25 जन. शुक्रवार पौ. शु. 14
चन्द्र पूर्णिमा, गणतंत्र दिवस	26 जन. शनिवा पौ. शु. 14
पौषी पूर्णिमा	27 जन. रविवार पौ. शु. 15
लाला लाजपत राय ज.	28 जन. सोमवार मा. कृ. 1
चतुर्थी व्रतम्, कुष्ठनिवारण दि.	30 जन. बुधवार मा. कृ. 3-4
शहीद दिवस	30 जन. बुधवार मा. कृ. 3-4

फरवरी-2013

तटरक्षक दिवस	1 फर. शुक्रवार मा. कृ. 5
कालाष्टमी	3 फर. रविवार मा. कृ. 7
षटतिलैकादशी व्रतम्	6 फर. बुधवार मा. कृ. 11
प्रदोष व्रतम्	8 फर. शुक्रवार मा. कृ. 13
पितृकार्यामावस्या	9 फर. शनिवार मा. कृ. 14
देवकार्यामावस्या	10 फर. रविवार मा. कृ. 30
नया चांद	11 फर. सोमवार मा. शु. 1
गुप्त नवरात्रारम्भ	11 फर. सोमवार मा. शु. 1
उत्पादकता दिवस	12 फर. मंगलवार मा. शु. 2
विनायक चतुर्थी	13 फर. बुधवार मा. शु. 3
सेन्टवेलेन्टाईन्डे, बसंतपंचमी	14 फर. गुरुवार मा. शु. 4
जयशंकर प्रसाद जयंती	16 फर. शनिवार मा. शु. 6
भानू सप्तमी	17 फर. रविवार मा. शु. 7
भीष्माष्टमी व दुर्गाष्टमी	18 फर. सोमवार मा. शु. 8
छत्रपतिशिवाजी जयंति	19 फर. मंगलवार मा. शु. 9
गुप्त नवरात्रा समाप्त	19 फर. मंगलवार मा. शु. 9
मातृभाषा दि., जयैकादशी व्रतं	21 फर. गुरुवार मा. शु. 11
विश्व स्काउट दिवस	22 फर. शुक्रवार मा. शु. 12
शनि प्रदोष व्रतम्	23 फर. शनिवार मा. शु. 13
चन्द्र, सत्यनारायण पूर्णिमा	25 फर. सोमवार मा. शु. 15
माघ स्नान पूर्ति होलिका रोपणं	25 फर. सोमवार मा. शु. 15
वीर सावरकर पुण्य दिवस	26 फर. मंगलवार फा. कृ. 1
स्वामी दयानंद सरस्वती ज.	27 फर. बुधवार फा. कृ. 2
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्य दि.	28 फर. गुरुवार फा. कृ. 3
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फर. गुरुवार फा. कृ. 3

मार्च-2013

चतुर्थी व्रतं	1 मार्च शुक्रवार फा. कृ. 4
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	3 मार्च रविवार फा. कृ. 6
कालाष्टमी	4 मार्च सोमवार फा. कृ. 7
जानकी जन्म	5 मार्च मंगलवार फा. कृ. 8
पं. गोविन्द वल्लभ पुण्य दि.	7 मार्च गुरुवार फा. कृ. 10
महिला दिवस	8 मार्च शुक्रवार फा. कृ. 11
विजयैकादशी व्रतं	8 मार्च शुक्रवार फा. कृ. 11
शनिप्रदोष व्रतं	9 मार्च शनिवार फा. कृ. 13
श्री महाशिवरात्रि व्रतं	10 मार्च रविवार फा. कृ. 14
सोमवती, देवपितृकार्यामावस्या	11मार्च सोमवार फा. कृ. 30
पयोव्रत	12 मार्च मंगलवार फा. शु. 1
नया चांद व फुलेरा दोज	13 मार्च बुधवार फा. शु. 2
मधुक तृतीया	14 मार्च गुरुवार फा. शु. 3
विश्व उपभोक्ता दिवस	15 मार्च शुक्रवार फा. शु. 4
विनायक चतुर्थी	15 मार्च शुक्रवार फा. शु. 4
सप्तमी	19 मार्च मंगलवार फा. शु. 7
होलाष्टक प्रारम्भ, बुद्ध अष्टमी	20 मार्च शुक्रवार फा. शु. 8
आनन्द नवमी	21 मार्च गुरुवार फा. शु. 9
आमलकैदाशी व्रतं	23 मार्च शनिवार फा. शु. 11
प्रदोष व्रतं	24 मार्च रविवार फा. शु. 12
नन्दत्रयोदशी	25 मार्च सोमवार फा. शु. 13
चन्द्रपूर्णिमा	26 मार्च मंगलवार फा. शु. 14
विश्व थियेटर दि. व धुलण्डी	27 मार्च बुधवार फा. शु. 15
सत्यानारायण पूर्णिमा	27 मार्च बुधवार फा. शु. 15
बसंत उत्सव प्रारम्भ	28 मार्च गुरुवार चै. कृ. 1
कमलदान पूजन	29 मार्च शुक्रवार चै. कृ. 2
राज. स्थापना दि. चतुर्थी व्रतं	30 मार्च शनिवार चै. कृ. 3

विवाह संतान फलदायक विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : नरेन्द्र जांगीड़ (फोटोग्राफर), जयपुर

।। श्री देवगुरु बृहस्पति नामावली ।।

ॐ बृं गुरवे नमः ।
ॐ बृं गुणवराय नमः ।
ॐ बृं गोप्त्रे नमः ।
ॐ बृं गोचराय नमः ।
ॐ बृं गो-पतिप्रियात नमः ।
ॐ बृं गुणिने नमः ।
ॐ बृं जीवाय नमः ।
ॐ बृं अनन्ताय नमः ।
ॐ बृं जयावहाय नमः ।
ॐ बृं आङ्गीरसाय नमः ।
ॐ बृं अध्वरासक्ताय नमः ।
ॐ बृं विविक्ताय नमः ।
ॐ बृं अध्वरकृत्पराय नमः ।
ॐ बृं वाचस्पतये नमः ।
ॐ बृं वशिने नमः ।
ॐ बृं वश्याय नमः ।
ॐ बृं वाग्विचक्षणाय नमः ।
ॐ बृं चित्तशुद्धिकराय नमः ।
ॐ बृं श्रीमते नमः ।
ॐ बृं चैत्राय नमः ।
ॐ बृं चित्रशिखण्डिजाय नमः ।
ॐ बृं बृहद्रथाय नमः ।
ॐ बृं बृहद्‌भानवे नमः ।
ॐ बृं बृहस्पतये नमः ।
ॐ बृं अभीष्टदाय नमः ।
ॐ बृं सुराचार्याय नमः ।
ॐ बृं सुराध्यक्षाय नमः ।
ॐ बृं सुरकार्यहितकराय नमः ।
ॐ बृं गीर्वाणपोषकाय नमः ।
ॐ बृं धन्याय नमः ।
ॐ बृं हेमवपुपे नमः ।
ॐ बृं हेमभूषणभूषिताय नमः ।
ॐ बृं गुणवतां श्रेष्ठाय नमः ।
ॐ बृं बृहस्पतिणां गुरवे नमः ।
ॐ बृं अव्ययाय नमः ।

ॐ बृं जेत्रे नमः ।
ॐ बृं जयन्ताय नमः ।
ॐ बृं जयदाय नमः ।
ॐ बृं ग्रीष्पतये नमः ।
ॐ बृं गिरीशाय नमः ।
ॐ बृं अनघाय नमः ।
ॐ बृं धीवराय नमः ।
ॐ बृं दिव्यभुषणाय नमः ।
ॐ बृं देवपूजिताय नमः ।
ॐ बृं धनुर्धराय नमः ।
ॐ बृं दैत्यहन्त्रे नमः ।
ॐ बृं दयासारांय नमः ।
ॐ बृं दारिद्र्यविनाशनाय नमः ।
ॐ बृं धिषणाय नमः ।
ॐ बृं दक्षिणायनसम्भवाय नमः ।
ॐ बृं धनुर्वीराधिपाय नमः ।
ॐ बृं देवाय नमः ।
ॐ बृं धनुर्बाणधराय नमः ।
ॐ बृं हरये नमः ।
ॐ बृं अङ्गीरसाब्दसञ्जाताय नमः ।
ॐ बृं अंगिरसकुलोद्भवाय नमः ।
ॐ बृं सिन्धुदेशाधिपाय नमः ।
ॐ बृं धीमते नमः ।
ॐ बृं स्वर्णकायाय नमः ।
ॐ बृं चतुर्भुजाय नमः ।
ॐ बृं हेमाङ्गदाय नमः ।
ॐ बृं सदानन्दाय नमः ।
ॐ बृं सत्यसन्धाय नमः ।
ॐ बृं पुष्यनाथाय नमः ।
ॐ बृं पुष्यरागमणि मण्डनमण्डिताय नमः ।
ॐ बृं सर्वज्ञाय नमः ।
ॐ बृं सर्ववेदान्तविदुषे नमः ।
ॐ बृं ब्रह्मपुत्राय नमः ।
ॐ बृं ब्रह्मणेशाय नमः ।
ॐ बृं ब्रह्मविद्याविशारदाय नमः ।

ॐ बृं समानाधिक निर्मुक्ताय नमः ।
ॐ बृं सर्वलोक वशंकराय नमः ।
ॐ बृं भूसुराभीष्टफलदाय नमः ।
ॐ बृं भूरियशसे नमः ।
ॐ बृं पुण्यविवर्धनाय नमः ।
ॐ बृं धर्मरूपाय नमः ।
ॐ बृं धनाध्यक्षाय नमः ।
ॐ बृं धनदाय नमः ।
ॐ बृं धर्मपालनाय नमः ।
ॐ बृं सर्वदेवतार्थतत्वज्ञाय नमः ।
ॐ बृं सर्वापद्‌विनिवारकाय नमः ।
ॐ बृं सर्वपापप्रशमनाय नमः ।
ॐ बृं स्वमतानुगतामराय नमः ।
ॐ बृं ऋग्वेदपारगाय नमः ।
ॐ बृं सत्यसङ्कल्प मानसाय नमः ।
ॐ बृं सर्वागमज्ञाय नमः ।
ॐ बृं काशपुष्पसमानाभाय नमः ।
ॐ बृं कलिदोषनिवारकाय नमः ।
ॐ बृं इन्द्रादिदेवदेवेशाय नमः ।
ॐ बृं देवताऽभीष्टदायकाय नमः ।
ॐ बृं असमानबलाय नमः ।
ॐ बृं सत्तवगुणसम्पद्विभावसवे नमः ।
ॐ बृं सुरासुरगन्धर्ववन्दिताय नमः ।
ॐ बृं सत्यभाषणाय नमः ।
ॐ बृं दयावते नमः ।
ॐ बृं शुभलक्षणाय नमः ।
ॐ बृं लोकत्रयगुरवे नमः ।
ॐ बृं सर्वगाय नमः ।
ॐ बृं सर्वतोविभवे नमः ।
ॐ बृं सर्वेशाय नमः ।
ॐ बृं सर्वदा तुष्टाय नमः ।
ॐ बृं सर्वपूजिताय नमः ।

विद्या के देव श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : अंकुश शर्मा

दक्षिणा-तालिका

क्रं. कार्य	शुल्क
1. बृहस्पति देव का नित्य अभिषेक	501/-
2. गुरुवार को बृहस्पति देव का विशेष अभिषेक	5100/-
3. बृहस्पति देव का प्रतिदिन हवन	1100/-
4. गुरुवार को बृहस्पति देव का विशेष हवन	2100/-
5. गुरुवार को महाआरती (संकल्प के साथ)	4100/-
6. गुरुवार को महाआरती (बिना संकल्प)	1100/-
7. गुरुवार को बृहस्पति देव का विशेष श्रृंगार	1100/-
8. बृहस्पति देव का नित्य श्रृंगार	201/-
9. बृहस्पति देव का नित्य भोग	251/-
10. बृहस्पति देव का विशेष भोग (गुरुवार)	1100/-
11. सवामणी प्रसादी (देशी घी में)	21000/-

नोट: उपरोक्त सभी कार्यों की रसीद कार्यालय से अवश्व प्राप्त करें।

श्री देवगुरु बृहस्पतिजी की आरती

जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा।
पूजन अर्चन करु आरती, स्वीकारो सेवा।।
जय बृहस्पति देवा

सकल मनोरथ दायक, तुम संशय हारी।
दीन दयाल दया निधि, तुम हो हितकारी।।
जय..............

परामर्श दाता देवो के, पीताम्बरी धारी।
पीतवर्ण हे स्वामी, तुम अतिशयकारी।।
जय..............

सुख समृद्धि के दाता, तुम अन्तर्यामी।
परम गुरु परमात्मा, सथ पथ अनुगामी।।
जय..............

शरणागत के रक्षक, शरण पड़ा तेरी।
विषय विकार मिटाओ, विनय सुनो मेरी।।
जय..............

गुणाधीश गुणधारी, कीर्ति सुयश दाता।
आपकी सेवा में जो आवे, वो शुभ फल पाता।।
जय..............

नवनिधियों के धारक, मम कल्याण करो।
कृपा करो करुणाकर, सिर पर हाथ धरो।।
जय..............

सहज हृदय से तेरी आरती जो गावे।
कहे 'नरेन्द्र' सदा वो यश वैभव पावे।।
जय..............

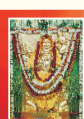

बृहस्पतिधाम परिवार

का निःशुल्क सदस्य बनने के लिए आप सादर आमंत्रित हैं

सदस्यता हेतु बृहस्पतिधाम कार्यालय अथवा हमारी वेबसाईट www.brihaspatidham.com पर सम्पर्क करें।

व्यापार-धन प्रदाता   श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : महावीर प्रसाद खेतान, जयपुर, 9829254422

SAI RESIDENCY

Himanshu Buildcon

Premium Residential Flats

200 ft. Bye Pass, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur

A Venture of

HIMANSHU BUILDCON (P) Ltd.

9, Jagdamba Nagar, Bajrang Dwar, Jhotwara, Jaipur

Website : www.himanshubuildcon.com

E-mail : jitendra.singh9414@gmail.com, info@himanshubuildcon.com

Mobile : Jitendra Singh Jadon # 9414052806

Ashish Gupta # 9828081450

Sales Enquiry : Avatar Singh Jadon # 8946823000

नववर्ष 2013

की हार्दिक शुभकामनाएँ

कपिल जैन

जयपुर, मो.: 09929111268

A Galaxy of Indian Stones

Galaxy Impex

Exporter & Manufacturer of
Sand Stone, Slate, Lime Stone & Quartzite

Office : 45-46, Gem Enclave, Malviya Nagar, Jaipur (India)
Tel.: +91-141-2523159, +91-141-2521844
Fax : +91-141-2522630 • Website : www.galaxyimpex.com
E-mail : info@galaxyimpex.com, galaxy_jpr@satyam.net.in

Computer Education

Mobile Apps
- I-phone
- Android
- Black Berry

Website Development
- Php (Basic - Advanced)
- Asp.net

Website Designing
- Photoshop
- HTML
- CSS
- JavaScript

Website Designing
- C,C++
- Java

bluechip technosys

Expert In developing Website & Mobile Apps

Branch Office: A-19 Krishna Nagar 1,Near Gandhi Nagar Speed Post, Tonk Road,Jaipur.M: + 91-9413965473

Head Office: 501-A, Barkat Nagar,Tonk Road,Jaipur,Rajasthan M: + 91-9413965473

राजयोग नियामक श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : जगदीश प्रसाद शर्मा, जयपुर, 9828531028

राजस्थान होटल

शुद्ध, शाकाहारी फास्ट फूड रेस्टोरेंट

माली राम पारीक
(शर्मा)

अनन्त पारीक
09401535772

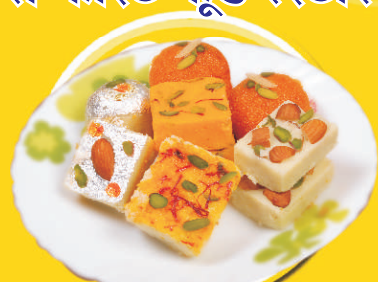

थाना चाराली तिनसुकीया-आसाम

Harish Vaswani
9351406724

Kanha Medical & Provision Store

Near LMB Sweets, Sanga Setu Road, Sanganer, Jaipur

Renaissance
Paints & Textures
OIKOS Paints

COLOUR GREEN

अशोक गौड़
09950752642
09785537370
08602626222

पेन्ट के कार्य में बृहस्पति
परिवार के सदस्यों को विशेष छूट

333, जाढ़ौन नगर, दुर्गापुरा स्टेशन के पास, दुर्गापुरा, जयपुर

नववर्ष 2013 की हार्दिक शुभकामनाऐं

बाबूलाल पारीक,
अध्यक्ष पारीक सभा, तिनसुकिया
अमित पारीक, एकाउंटैन्ट
सुनीत पारीक, सी.ए.

अजीत पारीक
ललित पारीक

आर. डी. पारीक एण्ड सन्स

बरदलोई नगर, एम. ई. स्कूल के पास, तिनसुकिया (असम)
फोन: 0374-300489, 09435134316, 09435412785

मु. पुरोहित का बास, पो. खेड़ा, तह. बानसुर, अलवर (राज.)
फोन: 01461-270079, 09982914693, 09461140079

सुख-शांति दायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : राजीव सिन्हा, वन्दना सिन्हा

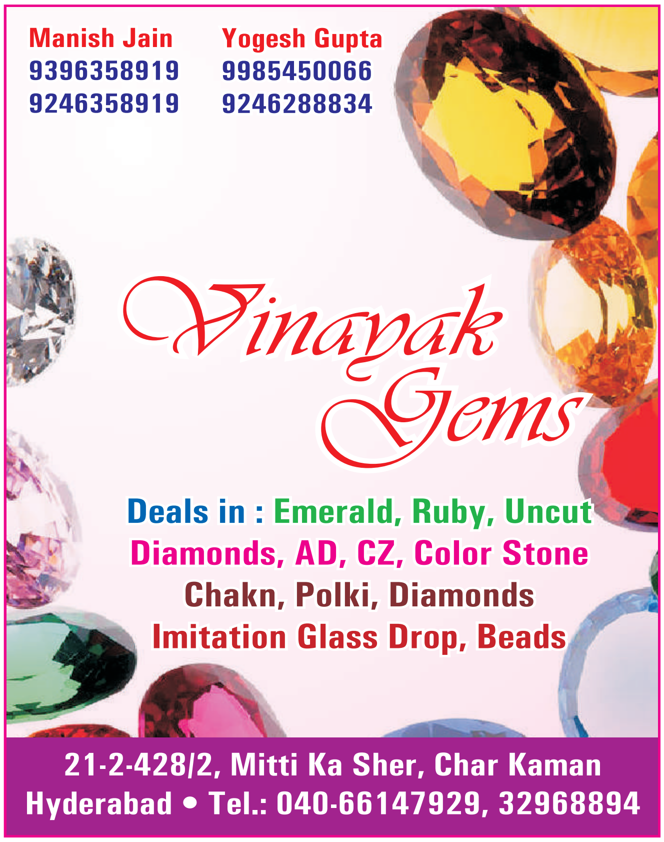
Manish Jain
9396358919
9246358919
Yogesh Gupta
9985450066
9246288834
Vinayak Gems
Deals in : Emerald, Ruby, Uncut Diamonds, AD, CZ, Color Stone Chakn, Polki, Diamonds Imitation Glass Drop, Beads
21-2-428/2, Mitti Ka Sher, Char Kaman
Hyderabad • Tel.: 040-66147929, 32968894

दशरथ सिंह
9352541647
8003567269
जय जमुवाय प्रोपर्टीज
ग्राम प्रेमपुरा, तह. सांगानेर, जयपुर
महिंद्रा सेज से कॉमर्शियल एवं रेजिडेंशियल जे.डी.ए. पट्टाशुदा 50 वर्ग मीटर के प्लाट व दुकानें क्रय-विक्रय हेतु सम्पर्क करें।

The real virtual market of Jaipur
Hold your breath.... It will revolutionize your entire way of shopping
Coming soon.
www.jaipurinstyle.com
jaipur in style.com
search • shop • fun • masti
www.jaipurinstyle.com
Web Application & Design
Search Engine Optimization
CMS
Software Development
3D Graphics & Animatronics
CD Presentations
www.rukmadigitalmedia.com
Powered By
RUKMA
DIGITAL MEDIA
- mixing technology with media

गुलाठी परिवार की तरफ से बृहस्पतिधाम परिवार के सभी सदस्यों को एवं आपको
नववर्ष 2013
की हार्दिक शुभकामनाएँ
मनीष गुलाठी
दिल्ली

सम्मान-समृद्धि दाता
श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : दिलीप सिंह, जयपुर

नववर्ष 2013 की हार्दिक शुभकामनाएँ

बलवीर सिंह नरुका

मो.: 8233911941

वी.के.आई., झोटवाड़ा
बैनाड़ व आसपास के क्षेत्र में
मकान, दुकान, प्लाट
जमीन, जायदाद खरीदी
व बेची जाती है।

Prahlad Singh
09785406673

DREAM HOUSE Properties

(Sale & Purchase)

Deals in - RHB, JDA House & Lands

51/144, Sec.-5, Mansarovar, Jaipur (Raj.)

नववर्ष 2013 की हार्दिक शुभकामनाएँ

विश्वकर्मा कारपेन्टर संगठन, सांगानेर

अध्यक्ष - दुर्गालाल जांगीड़
श्रम विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा
सहायतार्थ सम्पर्क करें। मो.: 9414780003

फर्नीचर के कार्य हेतु भी सम्पर्क करें।

94/ए, रघुनाथपुरी-II, टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर

दिनेश - 9314441507 जय बृहस्पतिदेव अमित - 9784597836

अमित मेडिकल एण्ड प्रोविजन स्टोर

डॉक्टर मंजू शर्मा के पास, उनियारा गार्डन, मोती डूंगरी रोड, जयपुर

फोन पर आर्डर करने पर दवाई घर पर पहुँचाई जाती है।
जयपुर शहर में कहीं भी जिसका कोई शुल्क नहीं होता है।

Ramesh Kumar Sharma
9829009694
9929109494

Vinayal Flooring Carpet

Yakshit
ENTERPRISES

255, Gayatri Nagar, B-Maharani Farm,
Durgapura, Jaipur - 302 018 (Raj.)

गणपत लाल जाँगिड़ (M) : 9829137047

श्री गणपति ऑटो इलैक्ट्रीक वर्क्स

सभी गाड़ियों के सेल्फ अल्टीनेटर व वायरिंग के स्पेशलिस्ट

जालूपुरा तिराहा, गौड़ विप्र स्कूल के नीचे,
अल्ताफ बैट्री के सामने, एम. आई.रोड़., जयपुर

बृहस्पतिधाम के भक्तों के लिए लेबर रेट में विशेष छूट

77, निर्मल विहार, दादी का फाटक, बैनाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर

सन्नी शर्मा ।। श्री गणेशाय नमः ।। 9352523477
0141-2622846

सन्नी विडियोज

HD विडियो मिक्सिंग & एडिटिंग, HD विडियो शूटिंग व डिजिटल फोटोग्राफी
प्लाजमा, एल.ई.डी., टी.वी., क्रेन लाईव टेलीकास्ट, DVD एलबम व फोटो गुड्स
विवाह, बर्थ-डे पार्टी, भागवत कथा, मुण्डन संस्कार एवं अन्य सामाजिक उत्सवों
पर कलर फोटोग्राफी व विडियोग्राफी के लिए सम्पर्क करें।

म.नं. 353, गुरुनानकपुरा, आदर्श नगर, राजापार्क, जयपुर-302004

Sadhana Sharma Mob.: 9309054686

Green Field Sec. School
C-120-121, Bajaj Nagar, Near Ram Mandir, Jaipur

SISTER BRANCH

Kalpana Sharma Mob.: 9829152990

Green Field Kids Camp Corner
516-A, Shanti Nagar, Opp. Durgapura Rly. Station, Jaipur

विवाह संतान फलदायक श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : शशांक बडेरा, जयपुर

महेन्द्र कुमार
9950596022
9877292103

अंकित इलैक्ट्रिकल्स

रिपेयरिंग एण्ड सैल : पंखे, कूलर, मिक्सी, इण्डो गीजर, प्रेस, वाशिंग मशीन रिपेयर की जाती है। व बाईण्डिंग का कार्य संतोषजनक होता है।

विपुल मारुति शोरुम के सामने, सुशीलपुरा, अजमेर रोड, जयपुर

BOOST YOUR BUSINESS/PRODUCTS/SERVICES

Marketing Executive for your Business

Bulk Mailing Solutions | Most Powerful Direct Marketing Solutions | Global Broadcasting Solutions

Launch your Business/Products / Services
Locally, Nationally, World-Wide Instantly at the fraction of the cost

» You have invested money in website. But there are no visitors.
» You have put up a Web-Site but have no visitors.

Take Your Business/Products/Services to the People

+91- 98991 36365
ashishjain365@gmail.com
(The kundli People)

Rajesh Sodhani
09887110386
Niketan Agiwal
09828083689

Shri Nimbark Sales (India)

Deals in : All Kinds of Plywood, Black Board
Flush Door, Decorative, Laminates, Timber & Adhesive

Opp. Heera Pura School, Near 200 ft. Byepass Road, Ajmer Road
Jaipur - 302019 • Ph.: 0141-2812778 • E-mail : snsi2011@gmail.com

TAG:11

The Team Of Experts

best trainer of
Asp.Net
PHP + My Sql
Web Designing

About Tag 11
TAG11-The Team of Experts comes in existence in early days of 2006. We are the India's emerging standalone software and website developers

TAG 11 INFOTECH (P) LTD.

H.O.: 11-A Kalyan Nagar Near Morani Motors Tonk Road Sanganer, Jaipur
Ph.:0141-2553880, Mob.: 09309040321,09214324318
website. www.tag11infotech.com • e-mail. support@tag11infotech.com

INDORIA

MS, MCB, AC BOXES & FAN BOX

"A SYMBOL OF TRUST"

Mfg. of MS, MCB, AC Boxes & Fan Box
www.indoriaindustries.com
INDORIA INDUSTRY J-866/867, Sitapura Indl. Area
RIICO, Jaipur • Mob.: 9829062534, 0141-5122537

Regular/ Private Tuition Classes

सी. बी. एस. ई.
राजस्थान / ओपन स्कूल
VI to XII, B.A. , B.Com., B.Ed.

N.E.I Classes

Educational Institute

8वी, 9वी फेल 10वी करें
11वी फेल 12वी करें
HINDI/ ENGLISH Medium
10वी या 12वी फेल तुरंत परीक्षा

सम्पर्क :- पंकज खण्डूजा
डी-47,सूरज मैदान यूको बैंक के पास, शान्ति पथ, जवाहर नगर, जयपुर
Mob.: 9829066104, 9829166104 • Email. pankaj304khanduja@yahoo.com

विद्या के देव श्री देवगुरु बृहस्पति जी

विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : गोविन्द सिंह राजावत

मुकेश सैनी
9571120100
8560904035
उत्तम कन्स्ट्रक्शन
मकान, दुकान, क्रय-विक्रय एवं निर्माण हेतु सम्पर्क करें
171, अमृत नगर, ब्राह्मण की थडी, मानसरोवर, जयपुर

सतीश कुमार : 9351083358
9024093327
श्री गणेशाय नमः
Krishna Dresses
FANCY & LATEST COLLECTION
ममता स्वीट्स के सामने, रिलायन्स फ्रेश के पास
बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर

श्री जी चैम्बर
अशोक शर्मा
9829303271
मकान, दुकान, जमीन
क्रय-विक्रय हेतु सम्पर्क करें।
इस्कॉन मन्दिर रोड़, ब्राह्मण की थड़ी, मानसरोवर, जयपुर

भगवान सोनी
9461304180
मनीषा ज्वैलर्स
सोने व चाँदी के आभुषणों के निर्माता एवं विक्रेता
राशी रत्न व राशी रत्नों की अंगूठी अर्जेंट तैयार की जाती है।
112/140, राम तीर्थ मार्ग, भास्कर मार्ग, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Kishan Chhipa
Rajesh Chhipa
Mob.: 9314807836
9314753900
Ph.: 0141-3251834
K. K. ENTERPRISES
RAJ ENTERPRISES
Contact for : All types of
Painting work with Quality
1261, Barkat Nagar, Kishan Marg, Tonk Road, Jaipur

Mayank Jain
Manish Jain
Mob.: 9828018882
Mob.: 9829053331
Deepshikha Communication
94/101, Vijay Path, Mansarovar, Jaipur
Ph.: 0141-2395834 (S), 9314155484

कम्प्यूटर प्रशिक्षण से करें सपने साकार...
सुनहरे भविष्य कि ओर...
Rajkumar Jain
CCNT
Centre for Computer "N" Management Training
IICCS
Ishika Innovative Computer Co-Operative Society Ltd.
201, Mahaver Nagar -II , Maharani Farm, Durgapura, Jaipur-18
Ph: 0141-2760573,9414060127 . E-mail: ccntraj@yahoo.co.in

Manish Kr. Gupta
Proprietor
M.: 9414070771
Sojus Healthcare
Contact For Monopoly Products
PLOT NO-5, ANUPAM 3RD, BASEMENT, G2, VASUNDHARA COLONY,
TONK ROAD, JAIPUR, PH-2712365,2710086,3243009

व्यापार-धन प्रदाता श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : जसवीर सिंह (सिंह ड्राईक्लीनर्स) जयपुर

राजेश काला
मो. 9314502419
महावीर मेडीकल एण्ड जनरल स्टोर
दुकान नं. 4 सवाई मानसिंह अस्पताल के सामने जयपुर

Surendra Bhatia
+91-9413973099
SATYAM
Hosiery & Cosmetics
Shop No. 6,Shopping Centre, Mama Ki Hotel,
Jawahar Nagar, Jaipur(Raj.)-302004

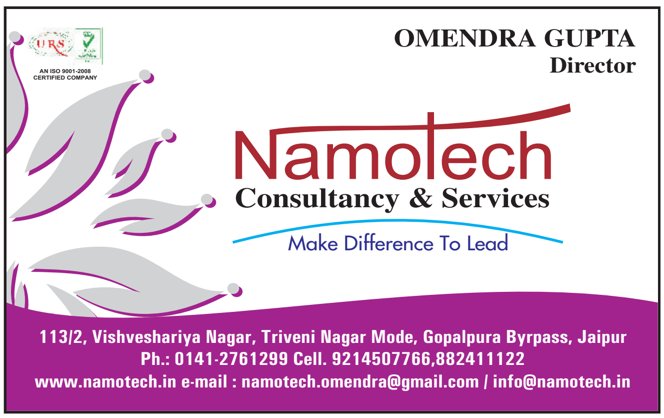
OMENDRA GUPTA
Director
Namotech
Consultancy & Services
Make Difference To Lead
113/2, Vishveshariya Nagar, Triveni Nagar Mode, Gopalpura Byrpass, Jaipur
Ph.: 0141-2761299 Cell. 9214507766,882411122
www.namotech.in e-mail : namotech.omendra@gmail.com / info@namotech.in

LEKHRAJ
R.K Studio
• Video Shooting
• Digital Colour Photography
• Video Mixing Video, CD.DVD
Shop No-120, Santosh Nagar, Mazdoor Nagar Ajmer Road Jpr-06
Mob.:09251997347, 09251097347

SUSHIL MITTAL
Neel Kanth
Enterprises
Wholesaler : Aluminium Section, Sheet Coils, Aluminium Gril
Steel Tubes & Hardware Curtain Pipes Goods & Telescopchanle & Bolt
Shop No. 2, Plot No. 69, Devi Nagar, New Sanganer Road, Jaipur
Mob.: 8107008633, 9829179197

Rajeev Sadhwani
M.: 9829877999
9887455777
!!श्री गणेशाय नमः!!
VINAYAK
COLLECTIONS
Exclusive Range Of Jeans, Shirts T-Shirts, Trousers,
Hosiery Items Shoes, With Gents Accessories
112/125-126, Near Akash Deep School Bhaskar Marg
Agarwal Farm, Mansarover, Jaiur-20

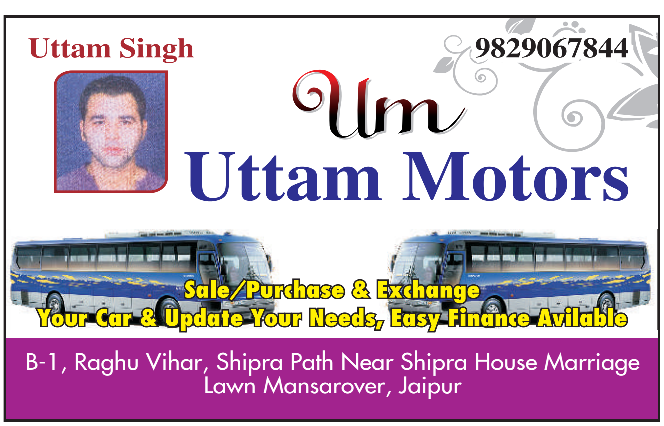
Uttam Singh
9829067844
Um
Uttam Motors
Sale/Purchase & Exchange
Your Car & Update Your Needs, Easy Finance Avilable
B-1, Raghu Vihar, Shipra Path Near Shipra House Marriage
Lawn Mansarover, Jaipur

M.: 9828073094
!!श्री गणेशाय नमः!!
सुरेश यादव
(यातायात सलाहकार)
यहां गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, ड्राईविंग लाईसेन्स, ट्रांसफर,
फिटनेस टेक्स टोकन, चालान तथा आर.टी.ओ. सम्बन्धी समस्त कार्य करवाये जाते है।
आर.टी.ओ. ऑफिस, जे.डी.ए. दुकानों के सामने, झालाना डूंगरी, जयपुर
निवास- प्लॉट नं.39, कृष्णा नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

राजयोग नियामक
श्री देवगुरु बृहस्पति जी
विश्व का एकमात्र
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : राजकुमार शर्मा, एडवोकेट, जयपुर

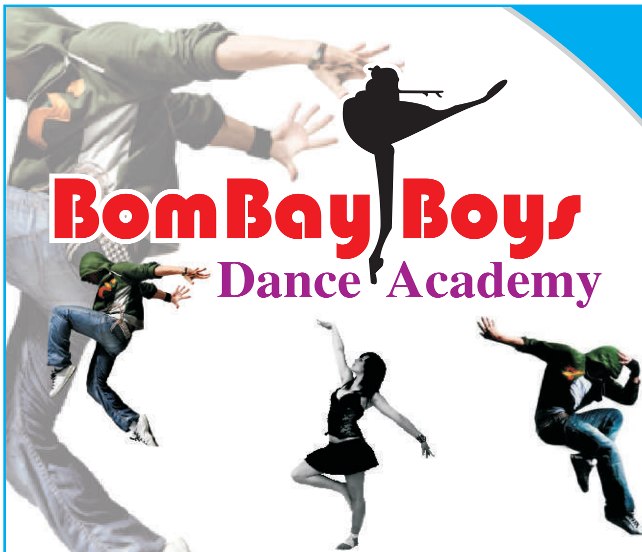

BomBay Boys
Dance Academy

Creating Passion For Dance
For More Details Contact:-
270,2nd Floor, Maya Plaza, Gurunank Pura, Rajapark, Jaipur
Contact No. 9799813397,9314379314,9772164197
E-mail : bombayboys41@gmail.com

Wedding & Event Managment
We Make Real Your Desires.....

VIVAH

Theme Based Sangeet
Ladies Sangeet Choreography
Wedding Managment
Sound Light Production
School Events & College Function

Contact : 9799813397, 9314379314, 9772164197
270,2nd Floor, Maya Plaza, Gurunank Pura, Rajapark, Jaipur
E-mail : vivahweddingplanner@gmail.com

Bhawani Singh Rathore
Mob.: 8058454867

Warriors Securities Services

WARRIORS SECURITIES SERVICES
23, Prathviraj Nagar Vistar Yojna -A, Durgapura, Jaipur
Ph.: +91-141-2763552 (O)
E-mail : warriorssecuritiesservices@gmail.com

Neeraj Gupta
Ganpati Infosys
Advance IT & Security Solution
CCTV Camera, IP Camera, Biometric Systems Video Door Phone etc.
302, Siddhi Vinayak, Ashok Marg, Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur
Ph.: 0141-5110726, 4059630 • Mob.: 9829089630
E-mail : info@ganapatiinfosys.com • Website : www.ganpatiinfosys.com

Authorised Distributor of MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE

INVERTERS / BATTERIES / UPS
- Online / Offline UPS
- Lead Acid / SMF Batteries
- Pure Sinewave Inverters
Inverters Upto 100 KVA

Dinesh Agrwal
+91-9828018673
Surendra Kulkari
+91-8003666110

Shree Balaji Enterprises
Email : shreebalajienterprises84@gmail.com
Dealers Equipped Solicited
20, JDA Market, Riddhi Siddhi, Mansarovar Link Road, Jaipur

सुख-शांति दायक विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी
श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम
महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620
www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com
निवेदक : घनश्याम गुप्ता, अंजू गुप्ता, जयपुर

सम्मान-समृद्धि दाता विश्व का एकमात्र श्री देवगुरु बृहस्पति जी

श्री देवगुरु बृहस्पतिधाम

महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.) इंडिया, मोबाइल : 08952935666, 09782920620

www.brihaspatidham.com, E-mail : info@brihaspatidham.com, devguru45@live.com

निवेदक : डॉ. कमलेन्द्र त्यागी

पुरुषोत्तम
हरीश

Mob.: 9929222577
Mob.: 9829772376

हरीश स्टेशनरी

होलसेल एवं रिटेल

नगर निगम ऑफिस के पास, नगर निगम रोड़
सांगानेर, जयपुर- 302029 (राज.) फोन : 0141-2733834

2013
HAPPY
NEW YEAR
Dubai
3/4 Days
@ 32999/-
Thailand
4/5 Days
@ 23999/-
Goa
3/4 Days
@ 17999/-
Srinagar 4/5 Days
@ 11999/-
T & C Apply
Flywala.com
taking you higher in the skies
@ Raja Park
EARLY BIRD
SPECIAL
DISCOUNT
on Air Tickets
Forget the rest, Now come with us we are the Best
Tour Packages • Air Ticket • Hotel Booking • Visa • Events
(Specialist : Group Tours & Wedding Events)
Shree Shyam Trip Planners Pvt. Ltd.
301, 3rd Floor, Shree Shyam Mansion, Ram Gali No.8, Raja Park, Jaipur, Rajasthan-302004.
Ph.:+91-141-3077011/12/13 Fax : +91-141-4104888 Mob.: 9660246541, 8890487740
E-mail : info@flywala.com Website : www.flywala.com
(To Become An Agent Please Contact 0141-3077009 & Find Unbetable Rates)